सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 206 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 10 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

कोरबा में युवक की बेरहमी से हत्या,झाड़ियों में मिला शव

कोरबा। रविवार की सुबह नवा बरपारा कोहड़िया में सड़क किनारे झाड़ियों में खून से लथपथ एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। धारदार हथियार से हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका है। सूचना पर सीएसईबी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल पर युवक को घसीटने और खून के निशान मिले हैं। शव सड़क किनारे झाड़ियों में पड़ा था। सुबह राहगीरों ने लाश देखी तो मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान 37 वर्षीय बसंत पटेल के रूप में हुई है। वह जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ ब्लॉक के सोनसरी गांव का रहने वाला था। पिछले तीन साल से कोरबा के दुरपा सर्वमंगला बरमपुर में किराये के मकान में रह रहा था। बसंत इंडस्ट्रियल एरिया स्थित संजय फैक्ट्री में काम करता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

सरगुजा के जंगल में मिले दो नर कंकाल

सरगुजा। जिले के धौरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चमारीलुंगरा जंगल में शनिवार को दो नर कंकाल मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस को आशंका है कि ये नरकंकाल छह वर्ष पहले ग्राम जमोनी से रहस्यमयी ढंग से लापता हुए एक किशोरी और युवक के हो सकते हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों कंकालों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020 में ग्राम जमोनी निवासी एक किशोरी और 19 वर्षीय विनोद कोरवा अचानक लापता हो गए थे। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की थी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया था। अब जंगल में मिले नर कंकालों के पास से एक फ्रॉक और हाफपैंट बरामद हुआ है। कपड़ों के आधार पर परिजन और पुलिस दोनों यह संभावना जता रहे हैं कि कंकाल उन्हीं दोनों के हो सकते हैं।

सीबीआई ने एसईसीएल के क्लर्क को रिश्वत लेते पकड़ा

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने एसईसीएल कुसमुंडा के सीएमपीएफ विभाग में पदस्थ एक क्लर्क को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी क्लर्क मनोहर लाल कौशिक पर एक खदान कर्मी से 5 लाख रुपए पीएफनिकालने के बदले 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, स्श्वष्टरुकुसमुंडा में कार्यरत खदान कर्मी अपना पीएफ का पैसा निकालना चाहते थे। उन्होंने इसके लिए सीएमपीएफ विभाग के क्लर्क मनोहर लाल कौशिक से संपर्क किया। आरोप है कि क्लर्क ने फाइल आगे बढ़ाने के लिए कई बार चक्कर लगवाए और काम के बदले रिश्वत की मांग की। क्लर्क की हरकतों से परेशान होकर खदान कर्मी ने भिलाई स्थित सीबीआई टीम से शिकायत की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीबीआई ने एक टीम गठित कर कुसमुंडा भेजी। रविवार सुबह भिलाई से पहुंची सीबीआई टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। रविवार को कार्यालय बंद था, क्लर्क ने खदान कर्मी को किसी दूसरे स्थान पर बुलाया था। जैसे ही क्लर्क मनोहर लाल कौशिक ने रिश्वत की रकम ली, सीबीआई टीम ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

तमिलनाडु के 9वें मुख्यमंत्री बने विजय, शपथ के बाद 200 यूनिट फ्री बिजली के आर्डर पर साइन

श्रीकंचनपथ न्यूज

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) चीफऔर एक्टर से नेता बने सी जोसेफ विजय तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। 121 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपने के बाद राज्यपाल अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। विजय ने तमिल में शपथ ली और शपथ के बाद सबसे पहले 200 यूनिट फ्री बिजली वाले ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए। विजय तमिलनाडू के 9 वें मुख्यमंत्री बने हैं।

विजय के साथ 9 और मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें एन आनंद, आधव अर्जुन, डॉ. केजी अरुणराज, केए सेंगोट्टैयन, पी वेंकटरमणन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टीके प्रभु, सेल्वी एस कीर्तना का नाम शामिल है। ये सभी विजय की पार्टी ञ्ञ्ञ्य के ही विधायक हैं। अभी सहयोगी दलों के किसी विधायक को विजय के पहले मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। सीएम बनते ही विजय एक्शन में आए और दस्तावेजों का पहला सेट साइन किया। इसमें 200 यूनिट फ्री बिजली, महिला सुरक्षा, ड्रग्स के खिलाफ एक्शन जैसे आदेश शामिल हैं।

शनिवार को चौथी बार राज्यपाल से मिले थे विजय

इससे पहले शनिवार को विजय ने राज्यपाल अर्लेकर को TVK, कांग्रेस, CPI, CPM, VCK और IUML के 121 विधायकों के समर्थन पत्र सौंपे। इसके बाद राज्यपाल ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। विजय की दो साल पुरानी पार्टी TVK ने अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में 234 में 108 सीटें जीतीं। अब विजय के पास 121 विधायक हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 118 है। तमिलनाडु में 1967 के बाद यानी गैर-द्रविड़ दल का मुख्यमंत्री होगा। इससे पहले 1963-1967 तक कांग्रेस सरकार में एम भक्तवत्सलम मुख्यमंत्री थे।

200 यूनिट तक मुफ्त बिजली से जुड़ी फाइल पर हस्ताक्षर

तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले संबोधन में विजय ने कहा कि वह जनता को झूठे वादों से कभी गुमराह नहीं करेंगे और ईमानदारी से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका कोई शाही या राजनीतिक परिवार से संबंध नहीं है, फिर भी लोगों ने उन्हें स्वीकार किया और समर्थन दिया। इसके बाद उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल के गठन और घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने से जुड़ी पहली फाइलों पर हस्ताक्षर किए। टीवीके प्रमुख विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपने पहले संबोधन में कहा, यह एक नई शुरुआत है। अब वास्तविक, धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय पर आधारित नए युग की शुरुआत हो गई है।

चिरमिरी को मिलेगी रोशनी : 75 साल बाद पहली बार पहुंचेगी सभी वार्डो में बिजली

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा के बाद सीएसपीडीसीएल ने शुरू किया काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संकल्प और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से चिरमिरी की तस्वीर बदल रही है। आजादी के 75 साल बाद शहर के सभी वार्डों में सरकारी बिजली पहुंचने का रास्ता साफ हुआ है। दो साल पहले मुख्यमंत्री साय ने मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर जिले के प्रवास के दौरान इसकी घोषणा की थी जो अब साकार हो रही है।

9 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिला मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर के प्रवास के दौरान नगर निगम चिरमिरी में CSPDCL से बिजली आपूर्ति की घोषणा की थी। यह महज एक

राजनीतिक घोषणा नहीं थी, यह उन लाखों आंखों की उम्मीद थी जो दशकों से टकटकी लगाए बैठी थीं। 8 मई 2026 को जारी आदेश के अनुसार राज्य शासन की मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत 30 मार्च 2026 को 53.08 करोड़ की राशि चिरमिरी नगर निगम को आवंटित की गई। पुराने बजट की शेष ?0.49 करोड़ की राशि मिलाकर कुल ?53.57 करोड़ से अधोसंरचना विकास कार्य अब वर्ष 2026-27 में प्रारंभ होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

क्षेत्र के स्थानीय विधायक और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा यह सिर्फसरकारी बिजली नहीं है, यह चिरमिरी के लोगों को उनका हक मिलना है। आज़ादी के बाद से जो सपना अधूरा था, मुख्यमंत्री जी की दूरदृष्टि और संवेदनशीलता से वो पूरा हो रहा है। मैं क्षेत्र की जनता की ओर से उनका अभिनंदन करता हूं।

अब बदलेगी जिंदगी, एक ऐतिहासिक क्षण

53.08 करोड़ की इस परियोजना से चिरमिरी के एसईसीएल क्षेत्र के सभी वार्डों में CSPDCL का पूर्ण विद्युत अधोसंरचना नेटवर्क बिछाया जाएगा। जिस धरती ने देश को कोयले से रोशन किया, आज उसी धरती के लोगों को बिजली का उजाला मिलने जा रहा है। चिरमिरी के डोमनहिल, गेल्हापानी, कोरिया कॉलरी व पोड़ी जैसे क्षेत्र जहां बिजली एक सपने जैसा था, अब वे सरकारी बिजली से रोशन होने वाले है। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक सुनहरा अध्याय है। चिरमिरी की आंखों में आज जो चमक है वो किसी बल्ब की नहीं, उनकी उम्मीद पूरी होने की रोशनी है।

आईपीएल में आज रायपुर में खेला जाएगा आरसीबी और मुंबई का मैच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आईपीएल 2026 का पहला मैच रायपुर में एमआई और आरसीबी के बीच खेला जाना है। मैच की पूरी तैयारियां हो चुकी हैं। रात 7:30 बजे दोनों टीमें भिडेंगी। करीब 10 साल बाद रायपुर एक बार फिर आईपीएल की मेजबानी के लिए तैयार है।

हालांकि शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम आईपीएल इतिहास में भले ज्यादा मैचों का गवाह नहीं रहा हो, लेकिन यहां दर्शकों का उत्साह बना रहा। पिछले मुकाबलों का एनालिसिस करें तो अब तक खेले गए 6 मैचों में 4 बार लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ने जीत दर्ज की है। जबकि पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम केवल 2 मैच जीत सकी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मैच के दौरान खिलाड़ियों, वीआईपी मेहमानों और दर्शकों की सुरक्षा के लिए 1200 से अधिक पुलिस जवान अलग-अलग मार्गों और स्टेडियम परिसर में तैनात रहेंगे। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए शहर और बाहरी इलाकों से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग रूट निर्धारित किए गए हैं।

भिलाई में ट्रेलर की चपेट में आने से वृद्धा की मौत

भिलाई। भिलाई में शनिवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में 60 साल की महिला की मौत हो गई। महिला अपने देवर के साथ डोंडीलोहारा से रायपुर पोते से मिलने जा रही थी। इसी दौरान नेहरू नगर गार्डन के सामने नेशनल हाईवे पर पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से महिला सड़क पर गिर गई और ट्रेलर के पिछले पहिए की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल पुलिस फरार ट्रेलर चालक की तलाश में जुटी हुई है।

हिमंत चुने गए असम विधायक दल के नेता 12 मई को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

गुवाहाटी ए.। असम में भाजपा नेता डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को भाजपा और एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। वह 12 मई को असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। गुवाहाटी में रविवार को हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में हिमंत बिस्व सरमा को भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इस बड़े फैसले की जानकारी सार्वजनिक की। इस चुनाव के साथ ही अब सरमा का लगातार दूसरी बार असम का मुख्यमंत्री बनने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

सर्वसम्मति से हुआ चुनाव

असम भाजपा विधायक दल की बैठक सुबह आयोजित हुई थी। इसमें आठ भाजपा विधायकों ने नेता के रूप में हिमंत बिस्व सरमा के नाम का प्रस्ताव रखा। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी केंद्रीय पर्यवेक्षक और सह-पर्यवेक्षक के रूप में बैठक में मौजूद रहे। गठबंधन के प्रमुख साथी दलों, असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने भी सरमा के नामांकन का पूरा समर्थन किया। सभी दलों की सहमति के बाद उन्हें सर्वसम्मति से एनडीए का

नेता चुन लिया गया। इसके बाद हिमंत बिस्व सरमा ने लोक भवन में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात कर नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है।

भाजपा गठबंधन को मिले 102 सीटें

असम विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। गठबंधन ने दो-तिहाई बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की है। 126 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा ने अकेले 82 सीटों पर बड़ी जीत हासिल की है। वहीं, सहयोगी दल एजीपी और बीपीएफके खाते में 10-10 सीटें आई हैं। इस शानदार जीत के साथ गठबंधन ने राज्य में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। अब राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी।

नगरीय निकायों में फेरबदल, कई निगमों के इंजीनियर बदले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई वरिष्ठ इंजीनियरों के तबादला आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के तहत राज्य के विभिन्न निकायों में पदस्थ कार्यपालन और सहायक अभियंताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

जारी सूची के अनुसार लाल महेंद्र प्रताप सिंह कार्यपालन अभियंता को नगर निगम रायपुर से नगर निगम बिलासपुर भेजा गया है। इसी प्रकार दिनेश नेताम कार्यपालन अभियंता को कवर्धा से स्थानांतरित कर संयुक्त संचालक कार्यालय दुर्ग में पदस्थ किया गया है।

अभियंताओं की नई पदस्थापना में बृजेश श्रीवास्तव सहायक अभियंता को कोण्डागांव से बिलासपुर और ललित कुमार त्रिवेदी सहायक अभियंता को भी बिलासपुर में प्रभारी कार्यपालन अभियंता की कमान सौंपी गई है। दुर्ग क्षेत्र में भी बदलाव किए गए हैं, जिसके तहत सी.बी. परगनिहा सहायक अभियंता को दुर्ग से धमतरी, हेमन्त कुमार साहू सहायक अभियंता को भिलाई-चरौदा से नगर निगम दुर्ग और चन्द्रशेखर सारथी सहायक अभियंता को रायगढ़ से नगर पालिका चांपा भेजा गया है। वहीं नवा रायपुर में पदस्थ गगन वासन अब नगर निगम जगदलपुर में सहायक अभियंता के रूप में अपनी सेवाएं देंगे।

इन्हें मिला अतिरिक्त प्रभार

प्रशासनिक कार्यों को गति देने के लिए नगर पालिक निगम रिसाली के कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे को उनके वर्तमान कार्यों के साथ-साथ संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास (क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग) के अधीक्षण अभियंता का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

खेलते वक्त गर्म पानी से झुलसा सवा साल का बच्चा, पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

जगदलपुर। ग्राम हातपदमुर नानगुर क्षेत्र में रहने वाले राजमन बघेल का बच्चा छोटू बघेल उम्र एक वर्ष दो माह जो घर आंगन में खेल रहा था। उसी आंगन में मां खाना बना रही थी। आंगन में खेलने के दौरान छोटू ने गरम पानी को हाथों से खींच लिया। जिससे कि गर्म पानी बच्चे के ऊपर गिर गया। बच्चे की आवाज को सुनकर उसकी मां ने आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने मदद की गुहार लगाई। जहां नानगुर थाना के पुलिस के जवानों ने बिना देर किए बच्चे को बेहतर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

मुख्यमंत्री साय हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ में हुए शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आयोजित हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने विधि-विधान के साथ भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने हरिनाम संकीर्तन की परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन लोगों को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने के साथ-साथ समाज में भाईचारे और सद्भाव का संदेश भी देते हैं।

आंधी-बारिश से बदला छत्तीसगढ़ का मौसम, 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शनिवार शाम अचानक मौसम ने करवट ली। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाओं और बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी। प्रदेश में सक्रिय मौसम सिस्टम की वजह से अगले 24 घंटे तक मौसम का असर बना रह सकता है। कई स्थानों पर गरज-चमक, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वी मध्यप्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। साथ ही पूर्वी राजस्थान से झारखंड तक द्रोणिका बनी हुई है, जिसका असर छत्तीसगढ़ पर भी पड़ रहा है। राजधानी रायपुर में रविवार को भी बादल छाए रहने, बारिश और तेज हवा चलने के आसार हैं। शहर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। राजनांदगांव में सबसे ज्यादा 41 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया, जबकि जगदलपुर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 20.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

संपादकीय

आपरेशन सिंदूर मजबूत भारत की प्रतिक्रिया है

जब कोई देश किसी गंभीर मामले में कुछ कहता है और कुछ करता है तो उसकी कहने व करने की प्रतिक्रिया से ही पता चलता है कि वह मजबूत देश है या कमजोर देश है। इससे देश के लोगों को पता चलता है कि हमारी सरकार मजबूत है, दुश्मनों को पता चलता है कि भारत एक मजबूत देश है,उससे पंगा लेने का मतलब है कि अपना बड़ा नुकसान करवाना है। उसे सबक मिल जाता है कि भारत से पंगा लेने से अपना ही ज्यादा नुकसान करना है। आपरेशन सिंदूर पहलगाम पर पाकपोषित आतंकवाद के हमले की दृढ़ प्रतिक्रिया थी। गुरुवार को उसकी पहली वर्षगांठ है और देश के लोगों के लिए याद करने का दिन है कि आज जो भारत है,वह बदला हुआ भारत, आज जो भारत हैं वह नया भारत है। उसके घर में घुसकर कोई आतंकवादी लोगों पर हमला करेगा तो भारत आतंकियों के ठिकानों को नष्ट कर सकता है। आतंकियों के घर में घुसकर मार सकता है। भारत ने आतंकियों को आपरेशन सिंदूर के जरिए ऐसा सबक सिखाया है कि वह अब भारत में घुसकर पहलगाम की तरह की वारदात करने से पहले सौ बार सोचेंगे और डरेंगे की इसके बाद भारत उनके साथ क्या करने वाला है। आपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर पीएम मोदी ने सही कहा है कि आपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ प्रतिक्रिया है। भारत की सेना को मिली असाधारण विजय हमारे वीर सैनिकों के अद्भुत पराक्रम और देशभक्ति की प्रेरक मिसाल है। इससे हमारे सशस्त्र बलों की राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबध्दता को पता चलता है। हमारी सेना की हर स्थिति में तैयारी,पेशेवरता,समन्वित शक्ति का पता चलता है।

> “ भारत ने आतंकियों को आपरेशन सिंदूर के जरिए ऐसा सबक सिखाया है कि वह अब भारत में घुसकर पहलगाम की तरह की वारदात करने से पहले सौ बार सोचेंगे और डरेंगे की इसके बाद भारत उनके साथ क्या करने वाला है। आपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर पीएम मोदी ने सही कहा है कि आपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफदृढ़ प्रतिक्रिया है। भारत की सेना को मिली असाधारण विजय हमारे वीर सैनिकों के अद्भुत पराक्रम और देशभक्ति की प्रेरक मिसाल है।

इससे यह भी पता चलता है कि रक्षा क्षेत्र मे आत्मनिर्भरता ने हमारी सुरक्षा कितनी मजबूत हुई है। इससे यह भी पता चलता है कि एक साल पहले हम जिस तरह आतंकवाद को खत्म करने और उसे बढ़ावा देने वाले तंत्र को नष्ट करने संकल्पित थे आज एक साल बाद भी हम उसी आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देने और उसे पालने पोसने वालों को सबक सिखाने संकल्पित हैं। सच है कि आपरेशन सिंदूर मजबूत भारत का एक ऐतिहासिक मिशन है जो हमेशा हमारे दुश्मनों को हमारी सशस्त्र सेना की सटीक प्रहार शक्ति की याद दिलाएगा। यह हर साल हमारे दुश्मनों को साफ संदेश देता रहेगा कि वह भारत पर आतंकवादी हमला कर चाहे कहीं भी छिपा हो वह बच नहीं सकता। वह हमेशा भारत की नजर मे है और भारत जब चाहे उनको सबक सीखा सकता है। आपरेशन सिंदूर के बार मे हमारे देश के कुछ देश विरोधी लोगों ने बहुत कुछ गलत कहा था, पूछा था कितने विमान भारत के गिरे हैं। आज हमारे देश के सेना के अधिकारियों ने उन तमाम देश विरोधी लोगों को यह बता दिया है कि विमान हमारे नहीं गिरे थे।

विमान तो भारतीय सेना ने दुश्मनो को गिराए थे, सेना के सटीक प्रहार से 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। सेना ने आज देश के आपरेशन सिंदूर के खिलाफ बोलने वालों को बता दिया है कि सरेंडर भारत ने नहीं किया था सरेंडर को मार खाने के बाद पाकिस्तान ने किया था। भारत को तो जो लक्ष्य हासिल करना था, वह उसे एकदिन में ही हासिल कर लिया था और पाकिस्तान को साफ बता दिया था कि भारत का हमला पाकिस्तान पर नहीं है, पाक में छिपे आतंकियों के ठिकाने पर है। साथ ही यह भी बता दिया गया था कि यदि पाकिस्तान भारत पर हमला करता है तो भारत उसका जवाब देगा पाकिस्तान ने हमला किया और भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान को बता दिया कि भारत पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के हमले अब बिलकुल भी सहन नहीं करेगा।

यह पुराना भारत नहीं है कि अमरीका से शिकायत करेगा। यह नया भारत है यह अपने मसले खुद हल करने में सक्षम है। भारत ने दुनिया के देशों को बता दिया कि भारत की सैन्य क्षमता क्या है। वह सटीक हमला करना जानता है और रक्षा करना भी उसे आता है। भारत ने हमेशा कहा है कि वह शांति का पक्षधर है लेकिन यदि कोई भारत पर किसी भी तरह का हमला करेगा तो भारत उसका जवाब देगा और ऐसा जवाब देगा कि सैन्य कार्रवाई रोकने की मांग हमला करने वाला करेगा। आज बड़े देश रूस व अमरीका सैन्य कार्रवाई करके युध्द में बरसो महीनों से उलझे हुए हैं तो भारत आपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ मना रहा है और दुनिया को संदेश दे रहा है कि भारत को बगैर युध्द मे उलझे सैन्य कार्रवाई करना आता है और दुश्मनों को घुटनों पर कैसा लाया जाता है यह भी बखूबी आता है।

सोमनाथ : आस्था, संकल्प और पुनर्जागरण की अनंत धारा

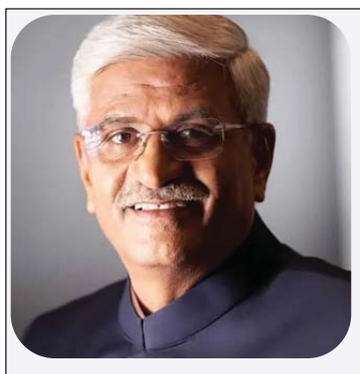

गजेन्द्र सिंह शेखावत

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

न हन्यते हन्यमाने शरीरे
(शरीर के नष्ट होने पर भी आत्मा नष्ट नहीं होती।)

श्रीमद्भगवद्गीता के इस श्लोक में निहित भाव और भारतीय सभ्यता की सनातन चेतना का सबसे जीवंत स्वरूप गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र के दक्षिणी तट पर स्थित सोमनाथ मंदिर में दिखाई देता है। बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माने जाने वाले सोमनाथ ने इतिहास में अनेक आक्रमणों और विनाश को सहा, लेकिन हर बार फिर खड़ा हुआ और उसकी आरती, घंटियों और श्रद्धा की ध्वनि कभी थमी नहीं। भारतीय इतिहास के हजारों वर्षों में सनातन धर्म ने कई तरह की चुनौतियों का सामना किया। राजनीतिक परिवर्तन, आक्रमण और सत्ता परिवर्तन के दौर में मंदिरों, मठों और ज्ञान केंद्रों को नुकसान पहुंचाया गया, उनकी संरचनाएं बदली गईं और उन्हें संरक्षण देने वाली व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। इसके बावजूद भारतीय आध्यात्मिक परंपरा न केवल जीवित रही, बल्कि समय के साथ स्वयं को पुनर्स्थापित भी करती रही। इसकी सबसे बड़ी शक्ति यही रही कि संस्थागत क्षति और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद इसकी आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई। प्राचीन और मध्यकालीन भारत में मंदिर केवल पूजा के स्थल नहीं थे, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन के भी केंद्र थे। राजसत्ता से उनके गहरे संबंध के कारण वे युद्ध और संघर्ष के समय सबसे पहले निशाने पर आए। महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ पर किया गया आक्रमण इतिहास की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक है। फारसी ग्रंथों में इसे विजय के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि भारतीय परंपरा में इसे पीड़ा, संघर्ष और पुनर्निर्माण की कथा के रूप में याद किया गया। लेकिन ऐतिहासिक सत्य यह है कि सोमनाथ कभी श्रद्धा से विलुप्त नहीं हुआ। चालुक्य शासकों सहित अनेक राजाओं ने इसका पुनर्निर्माण कराया और यह निरंतर आस्था का केंद्र बना रहा।

ऐसी अनेक घटनाएं भारत के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिलती हैं।

सोमनाथ का इतिहास केवल एक आक्रमण की कहानी नहीं है। प्राचीन काल से ही प्रभास पाटन एक महान तीर्थभूमि रहा है। इसे विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में प्रभास-पट्टन, शिव-पट्टन और प्रभास-तीर्थ जैसे नामों से जाना गया। यहां तीन पवित्र नदियों का संगम होता है और यही वह स्थान माना जाता है जहां भगवान श्रीकृष्ण के देहत्याग के बाद उनका अंतिम संस्कार हुआ। निकट ही वैराग्य क्षेत्र और गोपी तालाब स्थित हैं, जहां से गोपी चंदन प्राप्त होता है। इस संपूर्ण क्षेत्र की यात्रा को भारतीय तीर्थ परंपरा में अत्यंत पवित्र माना गया है। काठियावाड़ और गुजरात की प्राचीन धरोहरों पर आधारित कई ऐतिहासिक अभिलेखों और पुरातात्विक रिपोर्टों में भी इस क्षेत्र का उल्लेख मिलता है। सोमनाथ भारत की समावेशी सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक है। यह शैव और वैष्णव परंपराओं के अद्भुत संगम का केंद्र है और हमें यह याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति हमेशा से बहुलतावादी और समावेशी रही है।

स्वतंत्र भारत में सोमनाथ के पुनर्जागरण का आधुनिक अध्याय 12 नवंबर 1947, दीपावली के दिन आरंभ हुआ, जब देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस पवित्र स्थल का दौरा किया। विभाजन की पीड़ा के बीच सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। यह केवल एक मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास था। इसके बाद सोमनाथ को एक सांस्कृतिक और बौद्धिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ। 11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में प्रात:काल संपन्न हुई प्राण-प्रतिष्ठा ने पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति और आत्मविश्वास को नई शक्ति प्रदान की।

आज जब भारत 'भारत@2047' की ओर बढ़ रहा है, तब सोमनाथ से जुड़े ये सभ्यतागत मूल्य और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। तकनीकी बदलाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत दुनिया को यह संदेश देता है कि विकास का अर्थ करुणा को त्यागना नहीं है और शक्ति का अर्थ संयम को छोड़ देना नहीं है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल सामर्थ्य से नहीं, बल्कि स्मृति, विवेक और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से निर्मित होता है।

इसी दृष्टि से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026-27 की परिकल्पना की गई है। यह वर्षभर चलने वाला राष्ट्रीय आयोजन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की आध्यात्मिक शक्ति, सांस्कृतिक निरंतरता और सभ्यतागत चेतना को समर्पित है। सदियों तक अनेक बार विध्वंस झेलने के बाद भी जिस प्रकार समाज के सामूहिक संकल्प से सोमनाथ पुन: स्थापित होता रहा, वह भारत की सांस्कृतिक आत्मशक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का जीवंत उदाहरण है।

8 से 11 जनवरी 2026 के बीच प्रारंभ हुए इस पर्व के माध्यम से दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पड़ावों को स्मरण किया जा रहा है - 1026 में सोमनाथ पर हुए प्रथम दर्ज आक्रमण के एक हजार वर्ष और स्वतंत्रता के बाद 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के पुन: उद्घाटन के 75 वर्ष।

इस आयोजन का उद्देश्य सोमनाथ को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक स्मृति के प्रतीक के रूप में स्थापित करना है। 11 मई 2026 को आयोजित होने वाले प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम तक देशभर में यात्राएं, सांस्कृतिक आयोजन, संवाद, शैक्षिक कार्यक्रम और विभिन्न ज्योतिर्लिंगों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जिलों और शिवालयों में समन्वित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, जो सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं, सोमनाथ ने एक नए पुनर्जागरण का दौर देखा है। प्रशासनिक सुधार, आधारभूत संरचना का विकास, धरोहर संरक्षण और सांस्कृतिक पहलों ने सोमनाथ को एक जीवंत आध्यात्मिक केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त किया है। पर्यावरणीय संतुलन और महिला-सशक्तिकरण आधारित सेवा पहलों के माध्यम से यह दिखाया गया है कि भारतीय सभ्यतागत मूल्य आधुनिक जिम्मेदारियों और समावेशिता के साथ कैसे आगे बढ़ सकते हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आधुनिक समाज को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक प्रयास है। यह हमें याद दिलाता है कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं है। इसकी वास्तविक शक्ति उन मूल्यों, परंपराओं और जिम्मेदारियों में है, जिन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जाता रहा है। इसी कारण आज सोमनाथ केवल पुनर्निर्मित मंदिर नहीं, बल्कि एक जीवंत तीर्थ है।

इक्कीसवीं सदी में आगे बढ़ते भारत के लिए सोमनाथ एक महत्वपूर्ण संदेश देता है — कोई भी सभ्यता तब मजबूत रहती है जब वह अपनी जड़ों से जुड़ी रहे, समय के साथ स्वयं को ढालती रहे और सभी को साथ लेकर चले।

सोमनाथ की यह विरासत हमें निरंतर प्रेरित करती रहे — उद्देश्यपूर्ण निर्माण करने के लिए, संतुलित आचरण के लिए और अपनी पहचान के प्रति सजग रहते हुए आगे बढ़ने के लिए।

(लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार है)

पैसे के साथ आपका रिश्ता कैसा है?

एन. रघुरामन

हमारे जीवन में पैसे का क्या महत्व है? क्या आपने कभी गौर किया है कि आप पैसे के बारे में किस तरह सोचते हैं? क्या आप इसके बारे में लगातार चिंता करते हैं, क्या पार्टनर के साथ रोज पैसे को लेकर बहस होती है या आपको हमेशा यह लगता है कि 'पर्याप्त' पैसा नहीं है? पैसे के साथ हर व्यक्ति का रिश्ता निजी और अलग होता है, लेकिन कुछ ऐसी मानसिकताएं हैं जो एक स्वस्थ वित्तीय जीवन के रास्ते में बाधा बनती हैं। आइए, इन पर गौर करें।

1. नेटवर्थ को सेल्फ-वर्थ न समझें: कई लोग वित्तीय सफलता को इसलिए जरूरी मानते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि समाज उन्हें इसी तराजू में तौलेगा। इसके बिना उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है। सच यह है कि पैसा कभी स्थायी मानसिक शांति नहीं दे सकता क्योंकि सफलता की परिभाषा हमेशा बदलती रहती है। पहचान, आत्म-सम्मान को बैंक बैलेंस से अलग रखें। आप क्या हैं और आपके पास क्या है, इन दोनों में फर्क करना सीखें।

2. पैसा अकेलेपन या रिजेक्शन का इलाज नहीं कुछ लोग प्यार पाने या दूसरों

को प्रभावित करने के लिए 'अत्यधिक उदार' बन जाते हैं। वे बिना सोचे-समझे कर्ज देते हैं। वापस मांगने में हिचकिचाते हैं। खुद को आकर्षक दिखाने के लिए फिजूलखर्ची करते हैं। वित्तीय दिखावे के बजाय ईमानदार बातचीत का सहारा लें। आर्थिक सीमाओं को स्पष्ट करें। छोटी-छोटी बातों पर 'ना' कहना शुरू करें, ताकि भविष्य में आप बड़े वित्तीय दबावों से बच सकें।

3. जब पैसा संभालना मुश्किल लगने लगे: लॉटरी जीतने वाले 70% लोग कुछ ही सालों में गरीबी के जाल में फंस जाते हैं? वजह पैसे को मैनेज न कर पाना। ऐसे लोग वित्तीय फैसले लेने में देरी करते हैं। लक्ष्य अस्पष्ट होते हैं। शुरुआत छोटे कदमों से करें। बजट बनाना, बचत करना जैसे छोटे बदलाव आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएंगे और वित्तीय दक्षता निखारेंगे।

4. पैसा और नैतिकता: क्या दौलत बुरी चीज है कुछ लोग 'पैसा हाथ का मैल है' जैसी धारणाओं में यकीन रखते हैं। खर्च करते समय अपराधबोध महसूस करते हैं। पैसे को एक 'टूल' की तरह देखें, किसी नैतिक फैसले की तरह नहीं। यह सोचें कि पैसा मूल्यों और सपनों को पूरा करने में कैसे मदद कर सकता है।

मैनेजमेंट टिप: खुद से पूछें: जीवन में पैसे की जगह क्या है? क्या मैं डर से खर्च करता हूं या सुरक्षा के लिए? हम इन भावनाओं को जितनी गहराई से पहचानेंगे, समझेंगे, हमारे लिए सही वित्तीय निर्णय लेना उतना आसान हो जाएगा।

पश्चिम बंगाल: परिवर्तन के साथ पुनर्जागरण

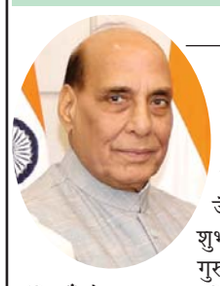

श्री राजनाथ सिंह

हे नूतन, देखा दिक आर-बार, जन्मेरो प्रथम शुभोखोन (हे नवीन, एक बार फिर से सामने आओ, ठीक उसी तरह जैसे जन्म के समय वह पहला शुभ क्षण आया था।)

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की यह पंक्तियाँ केवल एक कविता का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि समय-समय पर स्वत: स्फूर्त और नवीन होने वाली बंगाल की आत्मा का आह्वान भी हैं। गुरुदेव भली-भाँति समझते थे कि बंगाल समय के साथ केवल बदलता नहीं है, बल्कि वह बार-बार बेहतर और नए रूप में पल्लवित होता है। गुरुदेव की जयंती पर गायी जाने वाली यह कविता नवजागरण और नवचेतना की प्रतीक है। यह प्रार्थना पुरानी रूढ़ियों को तोड़कर, नए, उज्ज्वल और रचनात्मक विचारों के स्वागत का आह्वान भी है।

यह एक सुखद संयोग है कि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती से कुछ दिन पहले ही, पश्चिम बंगाल कई दशकों के बाद नवजागरण का साक्षी बना है। 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। लेकिन भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह चुनाव कभी सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं था। यह चुनाव इस महान भूमि के खोए हुए गौरव को पुनर्स्थापित करने का एक अवसर था—एक ऐसा सभ्यतागत आह्वान, जो चुनावी समीकरणों और गणनाओं से कहीं ऊपर है।

आज जब पश्चिम बंगाल की चेतना और गौरव का अरुणोदय हो रहा है, तो हमें इस बात को समझने की आवश्यकता है कि बंगाल क्या है और बंगाल की चेतना का पुनर्जागरण किसे कहा जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है बंगाल की शताब्दियों पुरानी चेतना को समझना और जानना।

बंगाल सामाजिक चेतना का केंद्र होने से पहले ज्ञान और आध्यात्मिकता की पवित्र भूमि थी। 15वीं शताब्दी में नबद्वीप के गंगा तट पर एक युवा संन्यासी निमाई ने अपने कीर्तन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उस युवा सन्यासी को आज हम आदि संत चैतन्य महाप्रभु के नाम से जानते हैं। चैतन्य महाप्रभु के द्वारा दिखाया गया भक्ति मार्ग आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का अभियान भी था। चैतन्य महाप्रभु ने जात-पात और ऊंच-नीच के बंधनों को तोड़ा। उनके द्वारा प्रवाहित वैष्णव परंपरा ने समाज में करुणा, समावेशिता, समता और सद्भावना को बल दिया।

यही चेतना बाउल परंपरा में भी दिखाई दी। बाउल परंपरा के फकीरों की पहचान जाति, धर्म या कोई ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवता की भावना थी। बाउल परंपरा के सबसे महान प्रवर्तक लालन फकीर थे। वे किस संप्रदाय से थे, यह प्रश्न कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा। उन्होंने हिंदु समाज में प्रचलित जाति व्यवस्था का भी विरोध किया तथा मुस्लिम समाज में होने वाले भेदभाव के खिलाफभी आवाज उठायी। वे बंगाल की उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे, जिसमें सहिष्णुता और सह-अस्तित्व का भाव समाहित था। विगत तीन शताब्दियों में, बंगाल और बंगाल के लोगों ने केवल भारत के सामाजिक नवजागरण आंदोलन में भाग ही नहीं लिया, बल्कि उसका नेतृत्व भी किया। जब समाज अपनी जड़ता, कुरीतियों और विकृत परंपराओं के बोझ तले दब चुका था, तब राजा राममोहन राय ने न तो परंपरा का समूल रूप से परित्याग किया और न ही तर्कशून्य तरीके से उसको उचित ठहराया। उन्होंने लोगों को आत्मबोध कराकर, समाज को भीतर से सुधारने

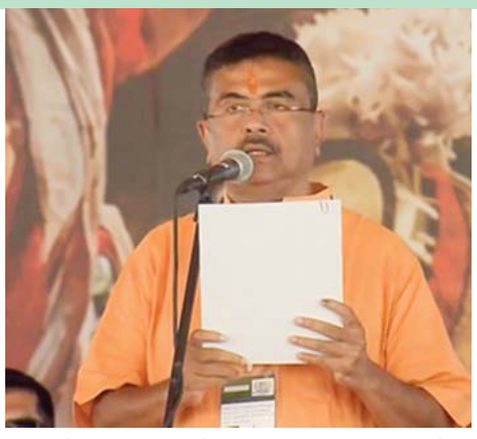

का मार्ग चुना। उनका संदेश स्पष्ट था समाज का पुनर्जन्म बाहर से नहीं, भीतर की चेतना से होता है। सती प्रथा जैसी अमानवीय कुरीति के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल समाज सुधार से जुड़ा आंदोलन नहीं था, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनर्जीवित करने का एक तप था। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने इस कार्य को आगे बढ़ाया। उन्होंने शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि मुक्ति का मंत्र बना दिया। उन्होंने शिक्षा को नारी शक्ति के उत्थान, सशक्तिकरण और मुक्ति का साधन बना दिया।

बंगाल के ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम जैसा अमर मंत्र राष्ट्र को दिया। वंदे मातरम् वह गीत था जिसने ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ने में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को बल दिया और सदियों से सोये हुए देश को जगा दिया। यह गीत आज भी भारत की अंतर-आत्मा का स्वर है। बंगाल ने ही भारत की सबसे पहली महिला चिकित्सक डॉ. कादम्बिनी गांगुली जी को जन्म दिया, जिन्होंने सभी को, विशेषकर महिलाओं को, प्रेरित किया। बंगाल की ही धरती पर जन्मे, प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

संभवत: बंगाल की धरती ने जितनी भी विलक्षण प्रतिभाओं और महान लोगों को जन्म दिया, उनमें सबसे देदीप्यमान और प्रबुद्ध स्वामी विवेकानंद को कहा जा सकता है। शिकागो में दिया गया उनका भाषण इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने पूरे विश्व को वेदान्त और भारत के महान सभ्यतागत मूल्यों से परिचित कराया। यह सब बातें बंगाल की आत्मा की अभिव्यक्ति हैं। यही उसकी सनातन और शाश्वत पहचान रही है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल को इसी दृष्टि से देखते हैं। यह अतीत में लौटने की आकांक्षा नहीं है, न ही यह आधुनिकता की चाह में परायी सभ्यता की प्रतिछाया बनने की लालसा है। यह वह दृष्टि है जो बंगाल को पुन: जागृत करना चाहती है ताकि वह अपने पूर्ण सामर्थ्य के बल पर फिर से अपने सर्वोच्च वैभव को प्राप्त कर सके।

दुर्भाग्यवश, लंबे समय तक बंगाल के कुछ बुद्धिजीवियों और राजनीतिक वर्गों ने अपनी ही सांस्कृतिक विरासत को बोझ समझा और उसे हेय दृष्टि से देखा। सभ्यता, धर्म, संस्कृति और बंगाल की चेतना की बात करने वाले लोगों और उनकी आवाज को दबाया गया। परंपरा को पिछड़ापन समझा गया और आधुनिकता के नाम पर औपनिवेशिक मानसिकता को बढ़ावा दिया गया। परिणामस्वरूप पश्चिम बंगाल ने दशकों तक विकासहीनता, अराजकता, संस्थागत पतन और वैचारिक जड़ता का दंश झेला। बंगाल में हुआ यह चुनाव और परिवर्तन सिर्फ राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं हैं। बल्कि यह ऐसे लोगों के खिलाफ जनादेश भी है जिन्होंने बंगाल को उसके मूल से दूर किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव सत्ता की लड़ाई नहीं थी, बल्कि पश्चिम बंगाल के गौरव और विरासत को पुनर्स्थापित करने का यज्ञ था।

बेलूर मठ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मिक जुड़ाव, स्वामी विवेकानंद के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा और सुशासन को 'सेवा' के रूप में देखने का उनका दृष्टिकोण ये सभी इस बात के प्रमाण हैं कि 'प्रधान सेवक' बंगाल के विकास और पुनर्जागरण को एक पावन दायित्व मानते हैं, जिसे वे अपने 'प्रधान धर्म' और 'प्रधान कर्म' के रूप में निभा रहे हैं।

इसलिए बंगाल के विकास और पुनर्निर्माण का अर्थ कई दशकों से उपेक्षित और जीर्ण-शीर्ण हो चुके इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण तो है ही, साथ ही इसका अर्थ उन घाटों को पुनर्जीवित करना भी है जहाँ चैतन्य महाप्रभु के कीर्तन ने लोगों को भाव-विभोर किया था। इसका अर्थ उन शैक्षणिक संस्थानों को सशक्त करना भी है जिनका स्वप्न ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने देखा था। इसका अर्थ उन आदिवासी भाइयों-बहनों को गरिमा, सम्मान और अवसर देना भी है जो सदियों से बंगाल में रहते आए हैं। इसका अर्थ लंबे समय से उपेक्षा झेल रहे पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना भी है।

पिछले कुछ दशकों में भय और कुशासन के कारण ऐसा प्रतीत होने लगा था मानो पश्चिम बंगाल का स्वर्णिम युग बीत चुका हो। किंतु आज बंगाल एक बार फिर नए आत्मविश्वास और नई ऊर्जा के साथ समृद्धि एवं शांति से भरे नए युग में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन के साथ बनने वाली पहली भाजपा सरकार गुरुदेव के द्वारा वर्णित 'नूतन' भावना के साथ सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ेगी और बंगाल की प्रतिष्ठा और समृद्धि के साथ बंगाल का सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने के लिए कार्य करेगी।

(लेखक भारत सरकार में रक्षा मंत्री हैं।)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

कमलेश को मिला राष्ट्रीय बाल साहित्यकार सम्मान

भिलाई। बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र भोपाल के तत्वावधान में सत्रहवां वार्षिक आयोजन व बाल साहित्यकार सम्मान समारोह का वृहद व भव्य आयोजन हाल ही में आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में पन्नालाल शर्मा बाल साहित्यकार सम्मान दुर्ग छत्तीसगढ़ के कवि व बहुचर्चित बाल साहित्यकार कमलेश चंद्राकर को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि कमलेश चंद्राकर के सचित्र व रंगीन पांच बालगीत संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं प्रत्येक कृति में साहित्य के विद्वानों के मानीखेज विचार व विश्लेषण भी समादृत हैं। कई कृतियां अभी प्रकाशनाधीन हैं। अध्यक्षता वरिष्ठ बाल साहित्यकार डॉ. कुमकुम गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति मनोहर मतलानी थे।

ऑपरेशन तलाश : थाना प्रभारियों का किया सम्मान

भिलाई। गुमशदा व्यक्तियों व बच्चों की पतासाजी के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए गए ऑपरेशन तलाश अभियान के अंतर्गत दुर्ग पुलिस ने एक माह में 683 गुमशुदा व्यक्तियों व बच्चों को तलाश कर उनके परिजनों तक पहुंचाया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारियों का दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने सम्मान किया। इनमें थाना प्रभारी जामुल रामेन्द्र सिंह, प्रभारी स्मृति नगर चौकी राजेश साहू एवं थाना प्रभारी पुरानी भिलाई अम्बर भारद्वाज को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एपीआई ने डॉ. अनिल को किया सम्मानित

भिलाई। स्वास्थ्य विभाग के सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. अनिल अग्रवाल का एसोसिएट्स फिजिशियन ऑफ इंडिया (एपीआई) ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में ब्लड बैंक के नोडल डॉ. जेपी मेश्राम, डॉ. प्रभात पांडेय, डॉ. शरद पाटणकर आदि शामिल हुए। डॉ. अग्रवाल ने राजनीति में भविष्य वक्ता के रूप में पहचान बनाई है। उन्होंने 13 अप्रैल को पश्चिम बंगाल समेत तीन अन्य राज्यों के परिणाम की भविष्यवाणी की थी, जो शतप्रतिशत सही हुई। पिछले विधानसभा चुनाव छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान के चुनाव के परिणाम घोषणा की थी, जो सही निकली। एपीआई ने उनका सम्मान किया।

समझाइश पर आपसी सहमति से खत्म हुए वर्षों से लंबित मामले

द्वितीय नेशनल लोक अदालत में 792401 मामलों का निराकरण

- वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत में कुल 521467009 रूपए की अवार्ड राशि

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं छग राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में तथा प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के निर्देशन में जिला न्यायालय एवं तहसील व्यवहार न्यायालय में वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसके तहत जिला न्यायालय दुर्ग, कुटुम्ब न्यायालय, दुर्ग, व्यवहार न्यायालय भिलाई-3, व्यवहार न्यायालय पाटन एवं व्यवहार न्यायालय धमधा, तथा किशोर न्याय बोर्ड दुर्ग, श्रम न्यायालय दुर्ग, स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐं) दुर्ग, राजस्व न्यायालय दुर्ग, एवं उपभोक्ता फोरम दुर्ग में नेशनल लोक अदालत आयोजित की गयी।

प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दुर्ग द्वारा लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अलावा जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग के अध्यक्ष श्री रमेश शर्मा एवं सचिव श्री रविशंकर सिंह तथा अन्य पदाधिकारीगण, न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण तथा विभिन्न बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में कुल 38 खण्डपीठ का गठन किया गया। परिवार न्यायालय दुर्ग हेतु 03 खण्डपीठ, जिला न्यायालय दुर्ग हेतु 29, तहसील व्यवहार न्यायालय भिलाई-3 में 01 खण्डपीठ, तहसील व्यवहार न्यायालय पाटन हेतु 02 खण्डपीठ, तहसील व्यवहार न्यायालय धमधा में 01 खण्डपीठ, किशोर न्याय बोर्ड हेतु 01 तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐं) दुर्ग के लिए 01 खण्डपीठ का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त राजस्व न्यायालय में भी प्रकरण का निराकरण हेतु खण्डपीठ का गठन किया गया था।

नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य दाण्डिक सिविल, परिवार, मोटर दुर्घटना दावा, से संबंधित प्रकरण रखे गये तथा उनका निराकरण न्यायालय में सौहार्दपूर्ण तरीके से समझौते के आधार पर किया गया। इसके अलावा बैंकिंग / वित्तीय संस्था, विद्युत एवं दूरसंचार से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों (विवाद पूर्व प्रकरण) का निराकरण भी किया गया। लोक अदालत में दोनों पक्षकारों के आपसी राजीनामा से प्रकरण का शीघ्र निराकरण होता है, यहाँ वर्षों का विवाद मिनटों में सुलझ जाता है। इसमें न तो किसी की हार होती है न ही किसी की जीत होती है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला चिकित्सालय, दुर्ग के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर दुर्ग में आने वाले पक्षकारों के स्वास्थ्य जॉच / परीक्षण हेतु एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त विभाग / कार्यालय की ओर से डॉ निवेदिता गार्डिया चिकित्सा अधिकारी, एवं अन्य सहायक कर्मचारियों द्वारा सेवाऐं प्रदान की गयी। स्वास्थ्य जॉच शिविर में न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं बड़ी संख्या में आमजनों के द्वारा अपने स्वास्थ्य की जांच / परीक्षण कराया गया और बहुतायत संख्या में लोग लाभान्वित हुए हैं।

गुरुद्वारा शहीद बाबादीप सिंह व श्री गुरूसिंह सभा गुरूद्वारा के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर में नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था किया गया था जहां बहुतायत संख्या में लोगों के द्वारा नि:शुल्क भोजन ग्रहण किया गया। केन्द्रीय जेल दुर्ग द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों द्वारा निर्मित जेल उत्पाद की प्रदर्शनी विकय हेतु लगायी गयी।

वर्ष 2026 के द्वितीय नेशनल लोक अदालत में कुल 17906 न्यायालयीन प्रकरण तथा कुल 775129 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकृत हुए जिनमें कुल समझौता राशि 521467009. 16 रूपये रहा। इनमें बैंक के प्रीलिटिगेशन के कुल 4971, विद्युत के कुल 2887 एवं दूरभाष के 355 मामले निराकृत हुए जिनमें कुल समझौता राशि लगभग 7078899/- रही है। 511 दाण्डिक प्रकरण, क्लेम के 42 प्रकरण, पारिवारिक मामलें के 111 चेक अनादरण के 381 मामले, व्यवहार वाद के 41 मामले, श्रम न्यायालय के कुल 05 मामले तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएँ) दुर्ग के कुल 8118 मामलें निराकृत हुए।

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के तहत आवेदक के पक्ष में 180000/- का अवार्ड पारित किया गया। इसी तरह सुपेला अंतर्गत प्रार्थिया लक्ष्मी ठाकुर एवं आरोपी नारायण ठाकुर के बीच सुलह करवाई गई। इसी तरह प्रार्थी सागर एवं आरोपी विनय, सन्नी एवं सन्नी उर्फ सुखविंदर को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समझाईश दी गई और आपसी राजीनामा से प्रकरण समाप्त किया गया।

खंडपीठ 15 में आरक्षी केन्द्र उतई में शासन विरूद्ध अमित कुमार यादव वगैरह में प्रार्थी आकाश भारती द्वारा प्रकरण दर्ज कराया गया। नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति से विवाद का शांतिपूर्ण निराकरण कर मामला समाप्त किया गया।

इसी तरह खंडपीठ क. 15 में आरक्षी केन्द्र भिलाई भट्टी के अपराध कमांक 111/2023 प्रकरण कमांक 16256/2023 में सार्थक संवाद एवं सुलह-सुझाव की प्रक्रिया के परिणामस्वरूप उभयपक्ष द्वारा आपसी मतभेदों को भुलाकर आज नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति से विवाद का शांतिपूर्ण निराकरण कर मामला समाप्त किया गया।

इसी खंडपीठ में आरक्षी केन्द्र सुपेला के अपराध क्रमांक 1129/2019 प्रकरण कमांक 10512/2019 शासन विरूद्ध रोहित कुमार वर्मा में उभयपक्ष को समझाईश दिये जाने से उभयपक्ष अपने मतभेदों को भुलाकर आपसी सहमति से मामला आज नेशलन लोक अदालत में समाप्त किया गया।

विधायक रिकेश सेन ने आत्मानंद स्कूल परिसर में किया 'अतिरिक्त सखी वन स्टॉप सेंटर' का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने 'अतिरिक्त सखी वन स्टॉप सेंटर' का भव्य शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान विधायक श्री सेन ने कहा कि यह सेंटर भिलाई-दुर्ग क्षेत्र की महिलाओं के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करेगा। अब किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन हिंसा या अन्य किसी भी संकट से पीड़ित महिला को भटकना नहीं पड़ेगा।

समारोह में अवगत कराया गया कि कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में 'सखी वन स्टॉप सेंटर' हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे पुलिस सहायता, कानूनी सलाह, चिकित्सा सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं 5 दिन तक का अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराने हेतु स्थापित किया गया है।

यहां हेल्पलाइन नंबर 181 से संपर्क कर सकते हैं। सखी वन स्टॉप सेंटर, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल परिसर फरीद नगर थाना सुपेला भिलाई, जिला-दुर्ग में पीड़ित महिला को 24×7 नि:शुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी आर के जांबुलकर, परियोजना अधिकारी अनीता सिंग, भिलाई की केंद्र प्रशासक कविता बघेल सहित अन्य अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं पुलिस विभाग, सखी सेंटर के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे तथा शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि आस-पास कोई महिला संकट में हो तो तुरंत सखी सेंटर या हेल्पलाइन 181 पर सूचना दें। एक कॉल किसी की जिंदगी बचा सकती है।

भिलाई की सुष्मिता की आईएफएस में 32वीं रैंक

भिलाई। यूपीएससी ने आईएफएस परीक्षा 2025 की अंतिम चयन सूची जारी कर दी है। सूची के अनुसार देशभर से कुल 148 उम्मीदवारों का चयन किया गया है, जिसमें भिलाई की सुष्मिता सिंह ने 32वीं रैंक हासिल की है। सुष्मिता के पिता बीपी सिंह भी भारतीय वन सेवा के अधिकारी रहे हैं, जिन्होंने दुर्ग सहित विभिन्न जिलों में वन विभाग में एसडीओ के रूप में सेवाएं दीं और मुख्य वन संरक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

बारिश से पहले जल-निकासी दुरुस्त करने में जुटा निगम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम महापौर अलका बाघमार के निर्देश पर शहर में वर्षा ऋतु के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु निगम प्रशासन द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों के साथ दुर्ग जेल तिराहा के बाजू मालवीय नगर जाने वाले मुख्य नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान पार्षद संजय अग्रवाल,स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उप अभियंता करण यादव, गुडडू यादव, रामलाल भट्ट सहित टीम मौजूद रही।

निरीक्षण के दौरान नाले की सफाई व्यवस्था, जल निकासी की स्थिति तथा बरसात के समय पानी के बहाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्रभारी चन्द्राकर ने बताया कि वार्ड क्रमांक 29, 40 एवं 45 के कई क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित होती रही है, जिससे नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के स्थायी निदान के लिए पूर्व तैयारी के तहत निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने निरीक्षण के दौरान मौके पर ही सफाई अमले को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जेसीबी मशीन की सहायता से नालियों एवं बड़े नालों की सफाई करवाई। जहां-जहां भारी मात्रा में मलमा एवं गाद जमा था, वहां खुदाई कर उसे बाहर निकलवाया गया ताकि बारिश के दौरान पानी का बहाव बाधित न हो।

कलेक्टर की पहल पर दृष्टि बाधित का बना आधार कार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के पुरैना सुशासन शिविर में कलेक्टर अभिजीत सिंह के प्रयास से 29 साल के युवक देवेन्द्र कौशल का आधार कार्ड बन पाया। दरअसल युवक एक ऑख से दृष्टि बाधित है। कई बार प्रयास करने के बाद भी तकनीकी कारणों से आधार कार्ड नहीं बन पा रहा था। शिविर में हितग्राही के अनुरोध पर कलेक्टर अभिजीत ने आधार कार्ड बनाने अधिकृत एजेंसी से संवाद

कर शिविर स्थल पर ही दो बच्चों के पिता देवेन्द्र का आधार कार्ड बनवाया। सुशासन 2026 के शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने पुरैना के 26 युवाओं को लर्निंग लाइसेंस सौंपा।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शिविर में समस्या मूलक आवेदन लेकर पहुंचे लोगों से चर्चा कर समस्याओं से अवगत हुए। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाए स्टॉल का निरीक्षण करते महतारी वंदन योजना के तहत केवाईसी कराने वाले हितग्राहियों से चर्चा की। साथ ही विधायक ने परिवहन विभाग द्वारा लगाए स्टॉल तक पहुंचे और 26 युवाओं को शिविर में बनाए गए लर्निंग लाइसेंस को सौंपा।

आईपीएल के लिए पहुंची टीम का माड़िया नृत्य से स्वागत

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्रख्यात लोकवाद्य संग्राहक और लोककलाकार रिखी क्षत्रिय और उनके समूह ने 8 मई को राजधानी रायपुर में आईपीएल क्रिकेट खेलने पहुंचे खिलाड़ियों का परंपरागत छत्तीसगढ़िया रंग के साथ स्वागत किया।

उल्लेखनीय है कि आईपीएल के मुकाबले 10 और 13 मई को राजधानी रायपुर में होने जा रहे हैं। जिसमें 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला होगा। वहीं 13 मई को आरसीबी और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला होगा।

देश के प्रमुख क्रिकटरों और देश-विदेश के क्रिकेट प्रेमियों की मौजूदगी को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग की ओर से अतिथियों के स्वागत की जिम्मेदारी लोक कलाकार रिखी क्षत्रिय एवं उनके समूह को दी गई थी।

शुक्रवार 08 मई को दोपहर बाद जैसे ही विराट कोहली और आरसीबी टीम के खिलाड़ी पहुंचे, रिखी क्षत्रिय और उनके समूह ने 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' के नारों के बीच सभी का स्वागत बस्तर के परंपरागत गौर माड़िया नृत्य से किया।

इस दौरान रिखी क्षत्रिय के समूह में जया ठाकुर, नेहा देवांगन, सीमा विश्वकर्मा, हेमा, चंचल, लीना ध्रुव, प्रमोद ठाकुर, सुनील, रंजीत ठाकुर, वेन, संजीव कुमार, भीमेश, प्रदीप और हुलसी शामिल थे।

क्रिकेटरों को दिखा रहे छत्तीसगढ़ की संस्कृति

लोकवाद्य संग्राहक और लोककलाकार रिखी क्षत्रिय को आईपीएल के दौरान पहुंचने वाले क्रिकेटरो को छत्तीसगढ़ी संस्कृति के विविध आयाम दिखाने का जिम्मा भी दिया गया है। रिखी क्षत्रिय ने यहां मैच के दौरान परम्परागत दुर्लभ वाद्य यंत्र , आदिवासी गहने,आदिवासी पेंटिंग , टेराकोटा, बेलमेटल, लकड़ी और मिट्टी की कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई है। जिसमें रिखी क्षत्रिय द्वारा विगत 5 दशक में खोजे गए दुर्लभ परंपरागत वाद्य यंत्र मुख्य आकर्षण होंगे। यह प्रदर्शनी राजधानी के एक प्रमुख आलीशान होटल में लगाई जा रही है, जिससे वहां ठहरे हुए सभी खिलाड़ी छत्तीसगढ़ी संस्कृति को समझ सकें।

भारतीय ज्ञान परंपरा को रेखांकित करती है आचार्य महेश की पुस्तक : देवेंद्र रावत

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। तुलसी मानस प्रतिष्ठान भोपाल की मुखपत्रिका मानस भारती के सम्पादक एवं विचारक देवेंद्र कुमार रावत के अनुसार इस्पात नगरी भिलाई के प्रसिद्ध साहित्याचार्य एवं लेखक डॉ.महेश चन्द्र शर्मा की कृति साहित्य और समाज राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा को रेखांकित करती है।

यह विविध शिक्षाओं से सारगर्भित 126 लघु ललित निबंधों का संग्रह है। इसमें बताया गया है कि साहित्य समाज का दर्पण है और संस्कृति साहित्य की आत्मा है। रावत ने बताया कि साहित्य और समाज से पाठक के चरित्र सेतु का निर्माण होता है और सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। इसमें भारत वर्ष की व्याख्या करते हुवे आचार्य ने बताया है कि ज्ञान-विज्ञान में लगा हुआ भारत इसकी भूमण्डलीय वर्षा करता है। प्रगति और आत्मोन्नति के लिये ऋषि - मुनियों ने शोध करके जो निष्कर्ष निकाले उन सूक्तियों के मोतियों की माला के रूप में आचार्य शर्मा ने इस पुस्तक की रचना की है। 280 पृष्ठों की, सहज,सरल किन्तु सरस भाषा-शैली में लिखित ये किताब युवाओं और विद्यार्थियों के लिये ही नहीं बल्कि वयोवृद्ध पाठकों और वरिष्ठ नागरिकों के लिये भी संग्रहणीय और उपयोगी है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

सुशासन तिहार 2026 : ग्राम बिछी टोली में 204 आवेदन हुए प्राप्त

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में सुशासन तिहार के तहत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मनोरा विकास खंड के ग्राम बिछीटोली में विभिन्न विभाग के द्वारा लोगों की मांगों और समस्याओं की जानकारी ली गई। मनोरा विकास खंड के जनपद पंचायत सीईओ रघुनाथ राम ने बताया कि शिविर में कुल 204 आवेदन प्राप्त हुए हैं । सभी आवेदनों का गंभीरता से निराकरण किया जा रहा है। शिविर में जशपुर विधायक रायमुनि भगत ने आम नागरिकों को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में उपस्थित रहकर लाभ लेने के लिए कहा ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य शान्ति भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष परमेश्वर भगत जशपुर एसडीएम विश्वास राव मस्के जनप्रतिनिधिगण और आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सुशासन तिहार से मिल रही है मुस्कान, सरकार रख रही है जरूरतमंदों का ध्यान

रायपुर। सुशासन तिहार जनमानस के जीवन में मुस्कान एवं राहत लेकर आई है। शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन से सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त हो रही है और जनमानस की समस्याओं का प्रभावी निराकरण किया जा रहा है। वहीं जनसामान्य में भी अपने समस्याओं के प्रति समाधान के प्रति जागरूकता आयी है। इसी कड़ी में आज राजनांदगांव शहर के शंकरपुर स्कूल में वार्ड क्रमांक 7, 9 एवं 10 के लिए आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में पहुंची श्रीमती पुष्पकला मेश्राम ने नि:शुल्क ईलाज मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि शुगर एवं ब्लड प्रेशर की समस्या होने के कारण वे अपना ईलाज कराना चाहती थी, लेकिन डॉक्टर के पास नहीं जा पा रही थी। उन्होंने आज शिविर में मोबाईल मेडिकल यूनिट में शिविर में शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच की गई। डॉक्टर ने स्वास्थ्य के दृष्टिगत आवश्यक सावधानी एवं परामर्श दिया तथा समय पर दवाई लेने के लिए कहा।

सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाएं पहुंच रहीं अंतिम व्यक्ति तक : केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत कोटा विकासखंड के ग्राम बानाबेल में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में जनसमस्याओं के निराकरण, योजनाओं के लाभ वितरण एवं हितग्राहियों से सीधा संवाद का प्रभावी आयोजन किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं स्थानीय सांसद तोखन साहू ने शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

इसी सोच के साथ गांव-गांव में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण और योजनाओं के लाभ के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।शिविर में कुल 169 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 152 मांग संबंधी और 17 शिकायत संबंधी प्रकरण शामिल रहे। इनमें मांग संबंधी 17 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा अन्य प्रकरणों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई।

तोखन साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनकल्याण के लिए

अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर पात्र हितग्राही तक इनका लाभ पहुंचे, सुशासन तिहार के तहत 40 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव के पंच से लेकर मुख्यमंत्री तक और भृत्य से लेकर सचिव स्तर तक अधिकारी इस अभियान से जुड़े हैं, जो शासन की गंभीरता को दर्शाता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीणों के छोटे-छोटे कार्यों का भी समयबद्ध निराकरण होना चाहिए। विशेष रूप से राजस्व प्रकरणों जैसे सीमांकन, बंटवारा एवं नामांतरण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए, ताकि किसानों और ग्रामीणों को परेशानी न उठानी पड़े। उन्होंने कहा कि प्रशासन की संवेदनशीलता और तत्परता ही सुशासन की पहचान है। श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता की आवश्यकताओं और कठिनाइयों को समझते हैं, इसलिए गरीबों के लिए खाद्यान्न सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 80 करोड़ लोगों को नि:शुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। आगामी बरसात के मद्देनजर तीन माह का राशन अग्रिम रूप से उपलब्ध कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि शासन गरीब, किसान, महिला, युवा और बुजुर्ग सभी वर्गों की चिंता कर रहा है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि आधी आबादी को सुविधाएं और सम्मान देना शासन का संकल्प है। इसी सोच के तहत घर-घर शौचालय, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन और अन्य योजनाओं का लाभ दिया गया है।

शिक्षा की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री साहू ने कहा कि जिले के परीक्षा परिणामों में इस वर्ष गिरावट आई है, जिसे अगले वर्ष बेहतर बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि बिलासपुर जिला शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश के शीर्ष 10 जिलों में स्थान प्राप्त करे, इसके लिए प्रशासन, शिक्षा विभाग और जनभागीदारी आवश्यक है। स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति के पास आयुष्मान कार्ड होना चाहिए। गांव-गांव में कैंप लगाकर कार्ड बनाए जाएं, ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को 5 लाख रुपए तक के नि:शुल्क उपचार का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी ऐसे कैंपों में शामिल होना चाहेंगे।

प्रभारी सचिव एवं अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ ने कहा कि सुशासन केवल शिविरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे 365 दिन शासकीय कार्यप्रणाली में परिलक्षित होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में यदि कहीं कोई अंतराल है, तो उसे दूर करते हुए सभी पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने जल संरक्षण को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि पानी प्रकृति का अनमोल उपहार है, जिसका संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है।

बानाबेल सुशासन शिविर के दौरान 877 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिया गया। इनमें महतारी वंदन योजना ई-केवाईसी, बीपी एवं शुगर जांच, सिकल सेल जांच, स्वास्थ्य परीक्षण, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य सेवाएं शामिल रहीं।

बेटियों के स्वास्थ्य सुरक्षा की पहल, एचपीवी टीकाकरण अभियान जारी

घर-घर पहुंचकर स्वास्थ्य कर्मी कर रहे जागरूक, नि:शुल्क उपलब्ध है वैक्सीन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। महिलाओं में ग्रीवा कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) की रोकथाम के लिए एच.पी.व्ही. (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण को प्रभावी एवं सुरक्षित उपाय माना जाता है। इसी उद्देश्य से कलेक्टर के निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में रायगढ़ शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किशोरियों के लिए विशेष टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग (15 वर्ष पूर्ण न किया हो) की बालिकाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

रायगढ़ शहर में स्थापित कोल्ड चैन प्वाइंट-शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामभांठा, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गांधीनगर (जूटमिल) एवं किरोड़ीमल शासकीय जिला चिकित्सालय में एचपीवी वैक्सीन टीकाकरण किया जा है। अभियान के तहत 8 मई को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामभांठा में 7 बालिकाओं

तथा गांधीनगर जूटमिल केन्द्र में 4 बालिकाओं का सफ्ल टीकाकरण किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा शहरी क्षेत्रों में घर-घर जाकर अभिभावकों एवं किशोरियों को एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, ए.एन.एम., एम.पी.डब्ल्यू., क्षेत्र समन्वयक, मितानिन प्रशिक्षक एवं मितानिनें विशेष रूप से अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि यह वैक्सीन शासकीय अस्पतालों एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला प्रशासन ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों का समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं, क्योंकि यह केवल एक टीका नहीं बल्कि उनके सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव है।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. भानुप्रताप पटेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैंकरा एवं शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सोनाली मेश्राम के मार्गदर्शन में जिलेभर में एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

सुशासन तिहार 2026 : जेरोम ,बीरबल, टूना राम जगदीश को मिला खुशियों की चाबी

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में संचालित सुशासन तिहार में लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जा रहा है।

इसके साथ ही हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। दुलदुला विकास खंड के ग्राम सिमड़ा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में 4 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की चाबी सौंपी गई।

इनमें ग्राम सिमड़ा की जेरोम मयूरचुंदी के बीरबल यादव, करडेगा के टूना राम और जगदीश यादव शामिल हैं।

सभी हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब उनको बारिश,धूप से मुक्ति मिल गई। अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री आवास में आनंद के साथ जीवन व्यतीत करने की बात कही।

मत्स्य पालकों के लिए सुशासन शिविर बना वरदान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दंतेवाडा जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में कलस्टर वार हो रहे सुशासन शिविरों से जहां मौके पर ही ग्रामीणों की अधिकतर समस्याओं का समाधान किया जा रहा हैं। वही विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को आधुनिक तकनीकों से युक्त यंत्र उपकरण सामग्रियां निशुल्क वितरण की जा रही है। इससे हितग्राहियों में अच्छा खासा उत्साह देखा जा रहा है और अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो रहे हैं। इस क्रम में विगत दिवस भूसारास और हल्बारास में संपन्न हुए सुशासन शिविर में मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालकों को उन्नत जाल और आईस बाक्स वितरण करके उनके व्यवसाय को सुविधाजनक और आर्थिक अनुकूलन बनाने का सफ्ल प्रयास किया जा रहा हैं।

विकासखंड कटेकल्याण अंतर्गत ग्राम भूसारास में 6 मई को हुए हितग्राही श्री हिड़मा मण्डावी एवं महादेव मरकाम भी लाभान्वित ग्रामीणों में से एक है। इस संबंध में मत्स्य कृषक हिड़मा ने बताया कि वह विगत 10 वर्षों से अपने स्वयं की भूमि में 0.20 हे. का तालाब निर्माण कर भारतीय मेजर कार्प रोहू, कतला, मृगल का संचयन कर मछली पालन का कार्य कर रहा हैं। इनके द्वारा उसे प्रतिवर्ष 30 से 40 हजार रूपये मछली विक्रय कर आमदनी होती हैं। जैसा कि हिड़मा ने बताया कि पूर्व में इनके पास जाल उपलब्ध नहीं थे। जिसके फ्लस्वरूप किराये से जाल लाकर मत्स्याखेट करना पड़ता था। परन्तु राज्य शासन की योजनाओं के माध्यम से सुशासन तिहार 2026 में इन्हें मत्स्याखेट हेतु जाल प्रदाय किया गया जिससे मत्स्याखेट करने में कोई परेशानी नहीं होगी एवं किराये से जाल होने की स्थिति से बचकर वह बेहतर आय अर्जित करेगा।

इसी प्रकार एक और अन्य हितग्राही महादेव मरकाम पिता हड़मा ग्राम भूसारास वि.ख. कटेकल्याण के मत्स्य कृषक को सुशासन तिहार 2026 में विभागीय फुटकर मछली विक्रय योजना अंतर्गत मछली विक्रय हेतु आइस बॉक्स प्रदाय किया गया है। चूंकि इसके पहले कृषक महादेव को अपने तालाब से निकाली गई मछली को तुंरत आस-पास के स्थानीय बाजारों में ले जाना पड़ता था। और मछली स्टोरेज करने हेतु आईस बाक्स न होने से मछलियों के खराब होने की स्थिति आ जाती थी। लेकिन अब महादेव खुश है क्योंकि सुशासन शिविर में आईस बाक्स प्रदान किया गया। वह अपने तालाब की मछली को निकालकर विक्रय हेतु बाजार ले जाने में कोई परेशानी नहीं होगी और मछली खराब होने की स्थिति से राहत मिलेगा।

इसके अलावा ग्राम पंचायत हल्बारास वि.ख. कुआकोंडा में भी मत्स्य कृषक परमेश्वर राना पिता नवल राना एवं सुनील कुमार भोयर पिता श्री सामनाथ भी मत्स्य सामग्रियों से लाभान्वित हुए। कृषक परमेश्वर राना द्वारा विगत 08 वर्षों से अपने स्वयं के भूमि में 0.50 हे. का तालाब निर्माण कर मछली पालन का कार्य किया जा रहा है जिससे उन्हें प्रतिवर्ष 60 से 70 हजार की आमदनी प्राप्त हो रही है। पूर्व में कृषक के पास मत्स्याखेट हेतु जाल उपलब्ध नही होने के कारण मछली पकड़ने में परेशानी हो रही थी।

वर्तमान में कृषक को सरकार की मंशानुरूप आयोजित सुशासन तिहार 2026 में विभाग द्वारा मत्स्यासेट हेतु जाल प्रदाय किया गया जिससे कृषक को अब मछली पकड़ने में कोई परेशानी नही होगी। वही सुनिल कुमार के पास भी पूर्व में मछली विक्रय हेतु बाजार तक ले जाने का कोई साधन नहीं था जिससे मछली खराब होने की संभावना बनी रहती थी। परन्तु आईस बाक्स मिलने से जिससे कृषक को बाजार तक मछली ले जाने में दिक्कत नहीं होगा।

सुशासन तिहार 2026 में गांव-गांव पहुंचीं स्वास्थ्य सेवाएं

पीएम जनमन योजना के तहत पहाड़ी कोरवा परिवारों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जशपुर जिले में आमजन की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं भी गांव-गांव तक पहुंचाई जा रही हैं।

इसी क्रम में जशपुर जिले के मनोरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम खरसोता-बिछीटोली में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन योजना) के तहत विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया।

स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों से पहुंचे पहाड़ी कोरवा परिवारों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने महिलाओं,

बच्चों और बुजुर्गों की जांच कर आवश्यक दवाइयां वितरित कीं तथा जरूरतमंद मरीजों को आगे के उपचार के लिए परामर्श दिया।

शिविर में पोषण, टीकाकरण, मातृ स्वास्थ्य और सामान्य बीमारियों से बचाव संबंधी जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। स्वास्थ्य सेवाएं गांव के समीप उपलब्ध होने से ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए दूरस्थ अस्पतालों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की मंशा के अनुरूप प्रशासन न केवल समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहा है, बल्कि दूरस्थ और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी सुविधाएं और सेवाएं भी प्रभावी रूप से पहुंचा रहा है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

बेमेतरा दल ने राज्य स्तर पर बनाई विशेष पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर 8 मई से रेडक्रॉस स्थापना सप्ताह की शुरुआत करते हुए राज्य कार्यालय द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में राज्य स्तरीय विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बेमेतरा जिले से जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस के दल को शासकीय पी.जी. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीना त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाटक, चित्रकला सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें जिले के स्वयंसेवकों एवं काउंसलरों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। बेमेतरा जिले की टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया। पीएम श्री सेजेस राठी एवं सेजेस कन्या विद्यालय की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी, वहीं शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोडगिरि की छात्राओं ने प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत कर सराहना प्राप्त की। चित्रकला प्रतियोगिता में सेजेस राठी के छात्र सागर श्रीवास ने पूरे राज्य में तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। यूथ रेडक्रॉस से शासकीय पी.जी. महाविद्यालय के प्रभारी सम्माननीय द्विवेदी जी एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं जूनियर रेडक्रॉस से श्रीमती वीना वर्मा, मो. जावेद, अनूप सिंह तथा अंकित निर्मलकर जैसे काउंसलरों के विशेष प्रयासों से जिले में रेडक्रॉस गतिविधियों को निरंतर सक्रियता मिली है।

जिले में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तर पर माननीय गजेंद्र यादव, मंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा योगेश साहू एवं निधी शर्मा को सम्मानित किया गया। दोनों लंबे समय से रेडक्रॉस गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान देते आ रहे हैं। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा बेमेतरा की कलेक्टर एवं अध्यक्ष सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, सचिव अमृत लाल रोहलदार, शासकीय पी.जी. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीना त्रिपाठी तथा जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी ने पूरी टीम की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल बेमेतरा में महिलाओं के लिए कैंसर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। साथ ही रेडक्रॉस की छात्राओं एवं सहायक जिला रेडक्रॉस अधिकारी युवराज सिंह बनाफर द्वारा लोगों को रेडक्रॉस स्टीकर लगाकर सहयोग स्वरूप दान राशि एकत्रित की गई। उपेंद्र सिंह सेंगर, जिला संगठक रेडक्रॉस के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बेमेतरा जिले के रेडक्रॉस दल ने राज्य स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगाल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पायर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

'द वार्ड' से रियलिटी शो की होस्टिंग में डेब्यू करेंगी रुबीना दिलैक, मातृत्व पर आधारित है शो

'द वार्ड' एक रियलिटी शो है, जिसकी होस्टिंग रुबीना दिलैक करेंगी। यह शो मातृत्व पर आारित है। मूविंग इमेज स्टूडियोज ने अपने नए नॉन-फिक्शन शो 'द वार्ड' की घोषणा कर दी है, जिसे रुबीना दिलैक होस्ट करेंगी। यह एक रियलिटी शो है, जो मां बनने की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सच्चाइयों को बहुत सही तरीके से दिखाएगा।

शो में क्या होगा खास?

इस शो में 10 गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक एक छत के नीचे रहेंगी। इस शो को मेटरनिटी वार्ड जैसी सेटिंग में फिल्माया गया है। यह शो, मां बनने की राह पर उनकी असली भावनाओं, विचारों और रिश्तों को ईमानदारी से दिखाएगा। ये महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों से आई हैं। वे धीरे-धीरे अपने निजी अनुभव साझा करेंगी, एक-दूसरे से जुड़ेंगी और बातें करेंगी।

इन बातों में शामिल होंगे- समाज की उम्मीदें, लड़कियों के प्रति भेदभाव, करियर की चाहत, परिवार में बदलते रिश्ते और मां बनने की चुनौतियां। रुबीना दिलैक सिर्फ होस्ट नहीं हैं, बल्कि वे सहानुभूति और समझ के साथ इन महिलाओं से जुड़ेंगी। खुद नई मां होने के नाते वे अपने अनुभव भी साझा करेंगी और सभी को सहारा देंगी। यह शो 15 मई को यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा।

प्रतिभागियों के पति और परिवार वाले भी इस सफर का हिस्सा बनेंगे। वे साथ रहकर सीखेंगे, समझेंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे। शो में 24 घंटे कैमरा, डॉक्टरों की देखभाल और गहरी कहानी सुनाई जाएगी। इससे मातृत्व के सच्चे, कच्चे और दिल को छूने वाले पलों को दिखाया जाएगा।

शो को लेकर रुबीना दिलैक की राय

रुबीना ने अपने सोशल मीडिया पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'मां बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा और भावनात्मक सफर रहा है। यह बहुत खूबसूरत है, लेकिन इतना मुश्किल भी कि कोई आपको पहले से तैयार नहीं कर सकता। 'द वार्ड' उन अनकही भावनाओं को दिखाता है, जिन्हें हम अंदर ही दबा लेते हैं। यह मेरा पहला रियलिटी शो है और मैं कह सकती हूं कि यह हर किसी के लिए भावनाओं का रोलरकोस्टर होगा।'

हॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार दिशा पाटनी, फिल्म का ट्रेलर हुआ रिलीज

दिशा पाटनी अब हॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार हैं। उनकी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें उनका किरदार शानदार है। उन्होंने फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को भी बताया है।

भारत की कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। इस कड़ी में नया नाम दिशा पाटनी का जुड़ने वाला है। अभिनेत्री हॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार हैं। वह फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आने वाली हैं। इसमें वह जेसिका का रोल करेंगी। उनका कहना है कि इस प्रोजेक्ट से उन्हें अपनी एक्टिंग स्किल्स को बड़े पैमाने पर एक्सप्लोर करने का मौका मिला है।

कौन है फिल्म का निर्देशक?

बताया जाता है कि यह फिल्म 'स्टैटीगॉर्ड्स होलीगॉर्ड्स सागा' की पहली फिल्म है। यह सुपरनैचुरल एक्शन-थ्रिलर है। इस फिल्म का निर्देशन केविन स्पेसी ने किया है। 20 साल से ज्यादा समय बाद वे इस फिल्म से निर्देशन में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में दिशा पाटनी के साथ-साथ केविन स्पेसी, टायरेज गिब्सन और डॉल्फलुंडग्रेन भी नजर आएंगे।

फिल्म में काम करने पर क्या बोलीं दिशा?

दिशा पाटनी ने बताया कि एक इंटरनेशनल फिल्म में काम करने का अनुभव उनके लिए रोमांचक और डरावना रहा। उन्होंने कहा 'मैं इस बेहद खास प्रोजेक्ट के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रही थी। अपने पहले इंटरनेशनल प्रोजेक्ट में कदम रखना मेरे लिए रोमांचक और डरावना दोनों था। अपनी एक्टिंग स्किल्स को एक्सप्लोर करने का बड़ा मौका था। अनुभवी और अलग-अलग तरह के कलाकारों के साथ काम करना अपने आप में एक सीखने का अनुभव था।'

दिशा को पसंद है एक्शन

उन्होंने आगे कहा, 'स्क्रीन पर ईमानदारी हर जगह एक जैसी होती है। मुझे हमेशा से एक्शन पसंद रहा है और जो कुछ भी मैंने अपने देश में सीखा है, उसे एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर दिखाना मुझे ताकतवर महसूस कराता है।'

दिशा का वर्कफ्रंट

शुक्रवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया। ट्रेलर में दिशा पाटनी के किरदार को दो विरोधी गुटों के नेताओं की बेटी के तौर पर दिखाया गया है। वह दो आपस में लड़ रही दुनियाओं के बीच एक पुल का काम करती हैं।

इस फिल्म के बाद दिशा 'आवारापन 2' में नजर आएंगी।

भारत में पैट्रियट का बुरा हाल, सातवें दिन लाखों में सिमटी कमाई

ममूटी और मोहनलाल स्टारर फिल्म पैट्रियट ग्लोबल लेवल कुछ उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद सिनेमाघरों में निराशाजनक परफॉर्म कर रही है। ये एक्शन थ्रिलर भारत में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने में असफल साबित हुई है। हालांकि, विदेशी दर्शक अभी भी फिल्म को ठीक रिस्पॉन्स दे रहे हैं जिसके चलते इसने वर्ल्डवाइड ठीक कमाई कर ली है। चलिए यहां जानते हैं पैट्रियट ने रिलीज के 7वेंदिन कितना कलेक्शन किया है? पैट्रियट ने सिनेमाघरों में रिलीज का एक हफ्ता पूरा कर लिया है।

वहीं भारत में ये फिल्म दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कर पाई और इसी के साथ ये कमाई भी नहीं कर पाई है। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक पैट्रियट ने रिलीज के 7वें दिन 93 लाख का कलेक्शन किया है। इसी के साथ इस फिल्म का भारत में 7 दिनों का कुल नेट कलेक्शन 26.98 करोड़ रुपये हो गया जबकि इसका भारत में ग्रॉस कलेक्शन फिलहाल 31.30 करोड़ रुपये है।

विदेशी बाजार ने पैट्रियट के कुल कारोबार में अहम योगदान दिया है। फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 41.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही, फिल्म का सात दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 72.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। घरेलू कमाई में तेजी से गिरावट के बावजूद, विदेशी दर्शकों के मजबूत सपोर्ट ने फिल्म को विश्व स्तर पर पूरी तरह से धराशायी होने से बचा लिया है।

महेश नारायणन की मलयालम एक्शन थ्रिलर पैट्रियट का125 करोड़ के भारी-भरकम बजट में बनी बताया जा रहा है। इस फिल्म ने एक हफ्ते में घरेलू बाजार में अपनी आधी लागत वसूलना तो दूर 30 करोड़ का आंकडा भी पार नहीं किया है। ऐसे में ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट चुकी है। बता दें कि इसी के साथ मोहनलाल ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपनी लगातार दूसरी फ्लॉप फिल्म दी है। इससे पहले 2025 में आई उनकी एक्शन फिल्म वृषभा ने मात्र 1.64 करोड़ की कमाई की थी।

करिश्मा तन्ना ने प्रेग्नेंसी में दिखाया ग्लैमरस अवतार

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने हाल ही में बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज शेयर की हैं। फोटोज में वो काफी ग्लैमरस लुक में नजर आईं।

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना इन दिनों अपनी फर्स्ट प्रेग्नेंसी एंजॉय कर रही हैं। वो अक्सर बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कई ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। उनका ये अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। लुक की बात करें, तो करिश्मा ब्लैत एंड व्हाइट मोनोकिनी पहने नजर आई।

गॉग्लस लगाए वो काफी ब्यूटीफुल दिख रही है। करिश्मा ने कई पोज भी दिए। तस्वीरों में उनका बेबी बंप भी नजर आ रहा है। फैंस तस्वीरों पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। करिश्मा ने इससे पहले ब्लैक मोनोकिनी में भी कई फोटोज शेयर की थी।

सेल्फी लेते हुए वो अपनी बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रहीं थी। बता दें, एक्ट्रेस इस साल अगस्त में अपने पहले बेबी का वेलकम करने वाली हैं। उन्होंने अपने पति के साथ फोटोज शेयर कर फैंस के साथ ये गुड न्यूज शेयर की।

करिश्मा तन्ना ने साल 2022 में वरुण बंगेरा के साथ शादी की थी। अब ये कपल शादी के चार साल बाद पेरेंट्स बनने वाले हैं।

लाल, हरी और पीली शिमला मिर्च में होता है अंतर; जानिए इन तीनों के फायदे

शिमला मिर्च एक ऐसी सब्जी है, जो कई तरह से खान-पान में इस्तेमाल होती है। लाल, हरी और पीली शिमला मिर्च के बीच का अंतर जानने के बाद आप अपने भोजन में इनका सही उपयोग कर पाएंगे। लाल शिमला मिर्च पकी हुई होती है और इसमें अधिक पोषक तत्व होते हैं। हरी शिमला मिर्च कच्ची होती है और इसमें कम कैलोरी होती हैं। पीली शिमला मिर्च मीठी होती है और इसका स्वाद भी अन्य शिमला मिर्च से अलग होता है।

लाल शिमला मिर्च के फायदे

लाल शिमला मिर्च में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर की रोगों से लडने की क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें बीटा-कैरोटीन होता है, जो विटामिन-ए में बदल जाता है और आंखों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। लाल शिमला मिर्च का सेवन त्वचा के लिए भी लाभकारी हो सकता है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करने और उसे मुलायम बनाने में मदद करती है।

हरी शिमला मिर्च के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ

हरी शिमला मिर्च में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद कर सकता है। इसमें विटामिन-सी और विटामिन-के की भरपूर मात्रा होती है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। इसके अलावा हरी शिमला मिर्च में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन और जलन को कम कर सकते हैं। हरी शिमला मिर्च का सेवन वजन प्रबंधन में भी सहायक हो सकता है, क्योंकि इसमें कम कैलोरी होती हैं।

पीली शिमला मिर्च के लाभ

पीली शिमला मिर्च में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को रोकने में मदद करते हैं। इसमें ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो विटामिन-ए में बदल जाते हैं और आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं। पीली शिमला मिर्च का सेवन त्वचा को नमी देने में भी मदद कर सकता है और त्वचा को स्वस्थ रख सकता है। इसमें आयरन भी होता है, जो खून में हीमोग्लोबिन के स्तर को बेहतर कर सकता है।

तीनों शिमला मिर्च में पोषक तत्वों का अंतर

तीनों शिमला मिर्च में कैलोरी कम होती है और ये फाइबर का अच्छा स्रोत हैं। इसके अलावा तीनों में विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर की रोगों से लडने की क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। हरी और पीली शिमला मिर्च में तांबा और मैग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है। लाल शिमला मिर्च में अधिक मात्रा में बीटा-कैरोटीन होता है, जो विटामिन-ए में बदल जाता है और आंखों के लिए फायदेमंद होता है।

मेरे जख्म मेरी कहानी बयां करते हैं राजश्री देशपांडे ने शेयर कीं मार्मिक तस्वीरें

टीवी और फिल्म अभिनेत्री राजश्री देशपांडे ने ब्रेस्ट कैंसर से अपनी लड़ाई और जीत की कहानी को बेहद साहस के साथ सोशल मीडिया पर साझा किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें उन्होंने अपने शरीर पर बचे सर्जरी के निशानों को खुलकर दिखाया और उन्हें अपनी ताकत व हिम्मत का प्रतीक बताया। इंडस्ट्री में जहां दिखावे और परफेक्शन को बहुत महत्व दिया जाता है, राजश्री देशपांडे ने सच्चाई और साहस को चुनते हुए एक मजबूत संदेश दिया है। इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट में राजश्री ने लिखा, मेरे जख्म मेरी जिंदगी की कहानी बयां करते हैं। हर एक जख्म इस बात की याद दिलाता है कि मैंने लड़ाई लड़ी, मैं जिंदा बची और मैंने जीत हासिल की। उन्होंने आगे लिखा, ब्रेस्ट कैंसर ने अपने निशान तो छोड़े, लेकिन वह कभी भी मेरी हिम्मत को छू नहीं पाया। हर उस महिला से, जो अपनी चमक को फीका कर रही है प्लीज उठो। तुम बहुत खूबसूरत हो और तुम्हारे जख्म कोई दाग नहीं हैं, बल्कि वे तुम्हारे साहस का ताज हैं। उनके दिल में प्यार है और रूह में हिम्मत। उन्होंने सभी महिलाओं को संदेश दिया कि जीवन को पूरी तरह से जीना चाहिए और अपने जख्मों को शर्मिंदगी की जगह ताकत बनाकर आगे बढना चाहिए।

राजश्री की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी सराही जा रही है। कई महिलाएं और सेलिब्रिटी उनकी हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने मैसेज दिया है कि सौंदर्य सिर्फ बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अंदर की ताकत और साहस में छिपा होता है। उन्होंने अपने संघर्ष को खुलकर साझा करके कई महिलाओं को हौसला दिया है। राजश्री की पोस्ट पर दिया मिर्जा, अमृता खानविलकर, शुभांगी लाटकर, शिल्पा तुलस्कर समेत कई सितारे व सोशल मीडिया यूजर्स भी खुलकर उनकी तारीफ करते नजर आए।

खास खबर

कुतुल की सोनाय के लिए उम्मीद की नई किरण बना सुशासन तिहार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन की परिभाषा जमीनी स्तर पर बदलती नजर आ रही है। शासन और जनता के बीच विश्वास का सेतु बन रहे सुशासन तिहार ने अब राज्य के सबसे दूरस्थ और अबूझमाड़ जैसे अंदरूनी क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों के जीवन में खुशहाली का नया सवेरा लाया है। राशन कार्ड से वंचित श्रीमती सोनाय को शिविर में तत्काल राशन कार्ड बनाकर दिया राशन र्काड हाथ में आते ही श्रीमती सोनाय की खुशी देखते ही बन रही थी। प्रशासन की संवेदनशीलता का ताज़ा उदाहरण नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड के ग्राम पंचायत कुतुल में देखने को मिला। यहाँ आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में प्रशासन स्वयं चलकर ग्रामीणों के द्वार तक पहुँचा।

शिविर में कुल 708 आवेदन प्राप्त हुए जिनका विभागवार निराकरण किया गया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। इसी कड़ी में गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले के नव पदस्थ कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने कार्यभार ग्रहण करने के तुरंत बाद दूरस्थ अंचल के ग्राम पंचायत बस्ती में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं और उनके निराकरण की जानकारी ली। शिविर में कुल 708 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका विभागवार निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. देवांगन ने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सौर ऊर्जा बनी संजीवनी: 3 हजार का बिजली बिल घटकर आया 200 रुपये प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से ग्रामीण परिवारों को बड़ी राहत

डबल सब्सिडी का लाभः केंद्र से 78 हजार, राज्य से 30 हजार रुपये की सहायता

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण परिवारों के लिए आर्थिक राहत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनती जा रही है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत कंठी निवासी सुनील कुमार साहू ने इस योजना के जरिए न केवल अपने घर का बिजली खर्च कम किया, बल्कि अब वे अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर ऊर्जा दाता भी बन गए हैं। सुनील कुमार साहू ने अपने घर की छत पर साढ़े 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफ्टॉप सिस्टम स्थापित कराया है। इस सौर ऊर्जा प्रणाली के लगने से उनका मासिक बिजली बिल, जो पहले 2 हजार से 3 हजार रुपये तक पहुंच जाता था, अब घटकर मात्र 200 से 500 रुपये के बीच रह गया है। बिजली बिल की लगातार बढ़ती चिंता से परेशान परिवार के लिए यह योजना किसी वरदान से कम साबित नहीं हुई।

वनांचल के सपनों को मिली नई उड़ान

तेंदूपत्ता संग्राहक के बेटे अजय गुप्ता बने भारतीय वन सेवा के अधिकारी

अजय की सफलता छत्तीसगढ़ के वनाश्रित परिवारों के अटूट विश्वास की जीत हैः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जंगलों से निकली एक प्रतिभा ने आज देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपनी जगह बनाकर प्रदेश का नाम रोशन कर दिया है। रायगढ जिले के सम्बलपुरी ग्राम के एक साधारण तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के सुपुत्र अजय गुप्ता ने अपने अटूट संकल्प से भारतीय वन सेवा में चयनित होकर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की नहीं, बल्कि कड़े संघर्ष और सही मार्गदर्शन की मोहताज होती है।

रायगढ़ के संबलपुरी गांव में तेंदूपत्ता और महुआ बीनने वाला अजय गुप्ता अब ढ्ढस्नस् अधिकारी बन गया है। कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई करते हुए अजय ने पूरे देश में 91वीं रैंक हासिल की। अब वही जंगल, जो कभी परिवार की रोजी-रोटी था, उसकी जिम्मेदारी बनने जा रहा है।

अजय गुप्ता ने 12वीं कक्षा में भी शानदार प्रदर्शन किया और इसके बाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में प्रवेश मिला। एनआईटी में पढ़ाई के दौरान भी उन्हें तीन वर्षों तक छात्रवृत्ति मिलती रही। अजय कहते हैं कि पहले सपने बहुत बड़े नहीं थे।

लगता था कि हमारी दुनिया बस गांव तक सीमित है, लेकिन एनआईटी में एडमिशन लेने के बाद नजरिया बदल गया। पहली बार लगा कि मैं भी कुछ बड़ा कर सकता हूं। अजय कहते हैं कि जंगल उनके बचपन से ही जिंदगी का हिस्सा रहा है। जंगल ने उन्हें सिर्फ रोजगार नहीं दिया, बल्कि जीवन की दिशा भी दी। वह कहते हैं बचपन से मेरा जुड़ाव जंगल से रहा है। जंगल ने मुझे बहुत कुछ दिया है, बस्तर में काम करने के दौरान भी जंगल से रिश्ता और मजबूत हुआ।

संघर्ष की जमीन से सफलता के आसमान तक

अजय का बचपन जंगलों के बीच वनोपज संग्रहण और खेती-किसानी करते हुए बीता। संघर्ष के दिनों को याद करते हुए अजय बताते हैं। माता-पिता अधिक शिक्षित नहीं थे, लेकिन उन्होंने बच्चों की शिक्षा को ही अपना लक्ष्य माना। छुट्टियों के दौरान अजय स्वयं जंगलों में जाकर तेंदूपत्ता और महुआ इकट्ठा करने में माता-पिता की मदद करते थे। अभावों के बीच भी उन्होंने 10वीं में 92.66 प्रतिशत और 12वीं में 91.40 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी योग्यता का परिचय दिया था।

सरकारी योजनाओं ने पंखों को दी मजबूती

अजय की इस लंबी उड़ान में छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने 'कैशलेस सपोर्ट' और आर्थिक संबल प्रदान किया। लघु वनोपज संघ की छात्रवृत्ति ने स्कूल से कॉलेज तक की पढ़ाई के दौरान इस छात्रवृत्ति ने आर्थिक बोझ को कम किया। राज्य शासन की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना से उन्हें निरंतर वित्तीय सहायता मिली, जिससे वे अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के अजय गुप्ता को भारतीय वन सेवा (ढ्ढस्नस्) में चयनित होने पर बधाई देते हुए कहा कि अजय ने न केवल अपने माता-पिता का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि एक ऐसा युवा जिसने स्वयं जंगलों में तेंदूपत्ता और महुआ संग्रहित किया, आज उन्हीं वनों के संरक्षण की जिम्मेदारी संभालने जा रहा है।

श्रमिकों के सम्मान से सशक्त हो रहा छत्तीसगढ़

प्रदेशभर में श्रमिक सम्मेलन, हितग्राहियों को मिला सीधा लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में श्रमिकों के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए राज्य सरकार की योजनाएं तेजी से जमीनी स्तर पर प्रभाव दिखा रही हैं। इसी क्रम में बलरामपुर में आयोजित जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन सहित विभिन्न जिलों में कार्यक्रमों के माध्यम से श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है और उन्हें प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया जा रहा है।

बलरामपुर मुख्यालय में आयोजित श्रमिक सम्मेलन में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि श्रमिकों के बिना विकास की परिकल्पना संभव नहीं है। उन्होंने श्रमिकों को योजनाओं का लाभ लेने हेतु पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने श्रमिकों को अपने हाथों से भोजन परोसकर सम्मान व्यक्त किया और आत्मीय संवाद भी किया।

सम्मेलन के दौरान विभिन्न विभागीय योजनाओं के अंतर्गत 10 हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। साथ ही विभागीय स्टॉल के माध्यम से श्रम पंजीयन, स्वास्थ्य परीक्षण, नि:शुल्क दवा वितरण एवं अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई।

जिले में श्रम विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान विभिन्न योजनाओं के माध्यम से व्यापक स्तर पर सहायता प्रदान की गई है। मिनीमाता महतारी जतन योजना अंतर्गत 153 महिला श्रमिकों, नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत 456 विद्यार्थियों, नोनी बाबू मेधावी शिक्षा योजना में 182 विद्यार्थियों तथा नोनी सशक्तिकरण योजना में 112 पुत्रियों को लाभान्वित किया गया है। इसी प्रकार श्रमिक सियान सहायता योजना में 73 श्रमिकों, निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना में 34 प्रकरणों तथा प्रसूति सहायता योजना में 265 महिला श्रमिकों को सहयोग प्रदान किया गया। इसके अलावा श्रमिकों के बच्चों को गणवेश एवं अध्ययन सामग्री तथा छात्रवृत्ति सहायता भी उपलब्ध कराई गई।

प्रदेशभर में आयोजित श्रमिक सम्मेलनों के माध्यम से शासन का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ा जाए, उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाए और उनके जीवन स्तर में सुधार लाया जाए।

लोकभवन में लगा मेगा हेल्थ कैंप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका के मार्गदर्शन में आज लोकभवन में व्यापक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर विशेष रूप से महिलाओं के लिये आयोजित किया गया। शिविर में सामान्य बीमारियों के साथ-साथ हृदय रोग, कैंसर, किडनी, स्त्री रोग और अन्य गंभीर बीमारियों की निशुल्क जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। विशेष रूप से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच के लिए स्क्रीनिंग भी की गई।

लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में जिला प्रशासन रायपुर के 'प्रोजेक्ट छांव' के अंतर्गत आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में लगभग 300 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान व्ही वाय हॉस्पिटल के मोबाइल कैंसर डिडक्शन यूनिट द्वारा महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच की गई। रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें रेडक्रॉस ब्लड बैंक की मोबाइल यूनिट उपलब्ध रही। शिविर में विभिन्न शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर की टीम द्वारा लैब जांच, बीपी और शुगर जांच की गई। इसके अलावा सुयश हॉस्पिटल, मेड लाइफ हॉस्पिटल, ग्लोबल स्टार हॉस्पिटल, लोटस हॉस्पिटल एवं एडवांस यूरोलॉजी सेंटर, ममता हॉस्पिटल, बोर्नियो हॉस्पिटल, रूंगटा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड रिसर्च, वेदांतम ग्रुप ऑफ डेंटल क्लीनिक, एसजीवी हॉस्पिटल, स्त्री एवं शिशु रोग सहित अन्य बीमारियों की जांच और परामर्श प्रदान किया गया।

उच्च शिक्षा मंत्री से मिले कुलपति प्रो. दयाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने छत्तीसगढ़ के माननीय उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कुलपति ने मंत्री जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के भविष्य, शैक्षणिक सुधारों और बुनियादी ढाँचे के विकास को लेकर व्यापक चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने विश्वविद्यालय में संख्यात्मक विस्तार के साथ-साथ गुणात्मक विकास शिक्षा के स्तर में सुधार पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय को और अधिक उन्नत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव और निर्देश साझा किए। इस अवसर पर उपस्थित कुलसचिव श्री सुनील कुमार शर्मा ने विश्वविद्यालय की लंबे समय से लंबित समस्याओं को मंत्री जी के समक्ष रखा, जिस पर सकारात्मक चर्चा हुई। विश्वविद्यालय वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल उद्देश्योंकृगुणवत्ता, समानता, पहुँच और वहनीयता को ध्यान में रखकर अपने पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

स्व सहायता समूह बना आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सीपत क्षेत्र के ग्राम कर्रा की महिलाओं ने सामूहिक प्रयास, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिखी है। 'बिहान' से जुड़कर गाँव की गायत्री महिला स्वसहायता समूह आज न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो चुका है, बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समूह की महिलाओं ने आर्थिक सशक्तीकरण की इस पहल के लिए मुख्यमन्त्री विष्णु देव साय का आभार जताया है।

12 सदस्यीय इस समूह का नेतृत्व अध्यक्ष श्रीमती गौरी यादव एवं सचिव श्रीमती पांचो श्रीवास कर रही हैं। इनके मार्गदर्शन में समूह ने निरंतर प्रगति करते हुए ग्रामीण महिलाओं के लिए एक सफल मॉडल प्रस्तुत किया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन **बिहान** के अंतर्गत समूह को 6 लाख रुपये तथा एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग से 4 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से महिलाओं ने श्री राम टेंट हाउस के नाम से आजीविका गतिविधि प्रारंभ की। वर्ष 2025 में रामनवमी के पावन अवसर पर शुरू किया गया यह प्रयास आज एक सफल उद्यम के रूप में स्थापित हो चुका है।

वर्तमान में समूह के पास 30म30 फीट का मंच टेंट, 60म120 फीट का विशाल पंडाल, 60 टेबल, 500 कुर्सियां एवं 10 जम्बो कूलर जैसी पर्याप्त सामग्री उपलब्ध है। समूह द्वारा शादी-विवाह, मंगल कार्य, सामाजिक कार्यक्रम, शोक सभा एवं शासकीय आयोजनों में टेंट और बर्तन किराए पर उपलब्ध कराए जाते हैं। समूह ने सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम पंचायत सोंठी में तथा 07 सीपत में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में भी टेंट सामग्री उपलब्ध कराया है।

इससे महिलाओं को अतिरिक्त आय प्राप्त होने के साथ-साथ प्रशासनिक आयोजनों में भी स्थानीय स्तर पर सहयोग मिल रहा है। समूह की महिलाओं की खास बात यह है कि वे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को नि:शुल्क बर्तन उपलब्ध कराती हैं।

पीएम जनमन योजना से बदल रही वनांचल की तस्वीर, सुगम हुआ आवागमन, पर्यटन को मिल रहा बढ़ावा

अब सरोधा बांध के पीछे मंडलाकोना तक पहुंची पक्की सड़क

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र में बसे ग्राम मंडलाकोना के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित नई सड़क अब केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि जनजीवन में बदलाव का आधार बन रही है। सरोधा बांध के पीछे स्थित इस गांव तक पहले पहुंचना कठिन था। बरसात के दिनों में कच्चे और ऊबड़-खाबड़ रास्ते ग्रामीणों को मुख्य मार्ग से लगभग काट देते थे। स्कूल जाने वाले बच्चों, इलाज के लिए जाने वाले मरीजों और दैनिक जरूरतों के लिए आने-जाने वाले लोगों को लंबे समय तक परेशानी झेलनी पड़ती थी।

लेकिन अब तस्वीर बदली हुई है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) विभाग द्वारा लगभग 2 करोड़ 17 लाख रुपए की लागत से सरोधा मेन रोड से मंडलाकोना तक 4 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण किया गया है। इस निर्माण से वनांचल क्षेत्र को बारहमासी सुगम संपर्क उपलब्ध हुआ है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना विशेष रूप से दूरस्थ, पहाड़ी और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों वाले क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने पर केंद्रित है। ऐसे क्षेत्रों में सड़क निर्माण का सीधा असर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और प्रशासनिक पहुंच पर पड़ता है। मंडलाकोना में भी इसका प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। ग्रामीणों को अब बाजार, अस्पताल और शासकीय सेवाओं तक पहुंचने में कम समय लग रहा है। सड़क बनने से स्कूली बच्चों की नियमित उपस्थिति में सुविधा होगी। गर्भवती महिलाओं और मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में अब पहले जैसी दिक्कत नहीं होगी। किसानों को अपनी उपज परिवहन करने के लिए बेहतर मार्ग मिला है, जिससे लागत और समय दोनों में कमी आएगी। दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता भी अब अधिक सुगम हुई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का कार्य लगातार जारी है। जनमन योजना के माध्यम से दूरस्थ गांवों को मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ने का काम तेज हुआ है, जिससे विकास योजनाओं की पहुंच भी बेहतर हुई है। मंडलाकोना तक बनी यह सड़क पर्यटन गतिविधियों के लिए भी नई संभावनाएं लेकर आई है। सरोधा बांध के पीछे का प्राकृतिक क्षेत्र तक सुगमता से पहुंचा जा सकेगा।

बिलासपुर में वन विकास निगम की हरित क्रांति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र का विस्तार सतत भविष्य के लिए अनिवार्य है। इसमें वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण और जन जागरूकता प्रमुख हैं। शहरी क्षेत्रों में मियावाकी पद्धति से पौधारोपण, प्लास्टिक प्रतिबंध और जल प्रदूषण कम किया जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य, समृद्धि और पारिस्थितिक संतुलन बना रहता है। वनों की रक्षा, बंजर भूमि का पुनरुद्धार और सामुदायिक उद्यान विकसित करना है।

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के बिलासपुर जिले के (कोटा परियोजना मंडल) पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विगत पांच वर्षों (2021 से 2025-26) के दौरान निगम ने जिले के विभिन्न अंचलों में योजनाबद्ध तरीके से 27 लाख 14 हजार 350 पौधों का रोपण कर 951.980 हेक्टेयर क्षेत्र को हरा-भरा कर दिया है।

852 हेक्टेयर के 66 कक्षों में 21.30 लाख पौधे लगाए गए, जिनमें मुख्य रूप से बेशकीमती सागौन का रोपण किया गया। सघन और त्वरित वृद्धि के लिए नीलगिरी और सागौन के उन्नत क्लोनल पौधों का रोपण किया गया। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से शहरी और अर्धशहरी क्षेत्रों में 3.16 लाख से अधिक पौधे लगाकर ग्रीन कवर बढ़ाया गया।

नदी पारिस्थितिकी को पुनर्जीवित करने के लिए वर्ष 2025-26 में अरपा नदी के तटों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत कम जगह में घने जंगल विकसित करने के लिए अरपा किनारे 3.620 हेक्टेयर में 20,300 पौधे रोपे जाएंगे। नदी के किनारों पर सघन ब्लॉक वृक्षारोपण और रामसेतु क्षेत्र में विशेष हरियाली विकसित की जाएगी, जिससे भू-क्षरण रुकेगा।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहदल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कोयला से भरा ट्रेलर बाइक पर पलटा, दबने से भाई-बहन की मौत

जांजगीर-चांपा। जिले के बलौदा क्षेत्र में शनिवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। ग्राम ठड़गाबहरा और बीरगहनी मोड़ के पास कोयले से भरा एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के दौरान बाइक से घर लौट रहे भाई-बहन ट्रेलर के नीचे दब गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान संजय कुर्रे (18) और अंजुलता कुर्रे (25) के रूप में हुई है। दोनों ग्राम बीरगहनी के निवासी थे। बताया जा रहा है कि दोनों किसी काम से बलौदा गए थे और वापस घर लौट रहे थे। अंजुलता की शादी करीब एक साल पहले खैजा निवासी मनीष लहरे से हुई थी। जानकारी के अनुसार, कुसमुंडा खदान से कोयला लेकर आ रहा ट्रेलर ओवरलोड था। मोड़ पर तेज रफ्तार होने की वजह से चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और ट्रेलर सड़क पर पलट गया। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक उसकी चपेट में आ गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बलौदा पुलिस मौके पर पहुंची और घंटों मशक्कत के बाद दोनों शवों को ट्रेलर के नीचे से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीएसपी प्रदीप सोरी ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

बाइक की टक्कर से चाचा-भतीजे की मौत

पेंड्रा। जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में चाचा-भतीजे की मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना पेंड्रा थाना क्षेत्र के मझगवां गांव में हुई। सड़क किनारे अपनी बाइक पर बैठे कोदवाही गांव निवासी दशरथ नायक को विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार डुमरिया निवासी झुन्नू लाल और उनके भतीजे डुमरिहा निवासी देवनाथ धुर्वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। तीनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद झुन्नू लाल और देवनाथ धुर्वे को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल दशरथ नायक का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पेंड्रा पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रायगढ़ में ट्रैक्टर पलटने से 2 लोगों की मौत

रायगढ। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला में तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई। जिससे ट्रैक्टर के पलटने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। ग्रामीण खेत जोताई का काम कर वापस घर लौट रहे थे। तभी यह हादसा हुआ। घटना के बाद मामले की सूचना पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जूट गई है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। जहां ग्राम भेड़ीमुड़ा का रहने वाला अलेश भगत 40 साल सुबह 6 बजे अपने ट्रैक्टर को लेकर गांव के महादेव भगत 45 साल के साथ खेत जोताई करने गया था। खेत में काम करने के बाद दोनों करीब 12 बजे वापस ट्रैक्टर में सवार होकर घर जाने के लिए निकले। ट्रैक्टर को महादेव भगत चला रहा था। तभी रास्ते में तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर रोड से नीचे उतर गई और ट्रैक्टर पलट गया। इससे उसमें दब जाने से अलेश भगत और महादेव दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मामले की सूचना पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जूट गई । पुलिस ने शव को किसी तरह ट्रैक्टर के नीचे से निकालने के बाद पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजवाया।

1.04 करोड़ की ठगी, दो आरोपियों से केवल दस्तावेज जब्त, राजस्थान से गिरफ्तार

रिटायर्ड महिला प्रोफेसर से की थी ठगी, डिजिटल अरेस्ट-टेरर फंडिंग का दिखाया डर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में डिजिटल अरेस्ट और टेरर फंडिंग का डर दिखाकर रिटायर्ड महिला प्रोफेसर से 1.04 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले गैंग के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों से केवल बैंक पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड, मोबाइल और दस्तावेज जब्त किया गया है।

आरोपियों ने ठगी की रकम को हैंडलर तक पहुंचाने का दावा किया है। उनकी गिरफ्तारी राजस्थान के चुरू जिले से की गई है। रियल हेवन निवासी प्रो. रमन श्रीवास्तव (82) रिटायर्ड प्रोफेसर हैं। वे डीपी कॉलेज में पदस्थ थीं, उनका बेटा प्रशांत श्रीवास्तव मुंबई में एचआर कंसल्टेंसी में डायरेक्टर है।

उन्होंने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया कि उनकी मां के साथ एक करोड़ 4 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी हुई है। उनके मोबाइल पर 20 अप्रैल को वॉट्सऐप पर अनजान नंबर से वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अफसर संजय पीएसआई बताया था।

फर्जी बैंक स्टेटमेंट और डेबिट कार्ड दिखाकर डराया

ठगों ने खुद को बड़ा अधिकारी बताकर रिटायर्ड प्रोफेसर पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया और उनके नाम के फर्जी बैंक स्टेटमेंट और डेबिट कार्ड जैसे दस्तावेज दिखाकर उन्हें डरा दिया। ठगों ने महिला को यकीन दिला दिया कि उनका फोन टैप किया जा रहा है और उन्होंने किसी को भी इस बारे में जानकारी दी, तो उनके मुंबई में रहने वाले बेटे और पोते को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसी डर के चलते महिला सात दिनों तक उनके चंगुल में फंसी रहीं।

7 दिनों तक घर से बाहर नहीं निकलीं रिटायर्ड प्रोफेसर

ठगों ने रिटायर्ड प्रोफेसर के वॉट्सऐप पर सुप्रीम कोर्ट का फर्जी वारंट भेजकर गिरफ्तारी का खौफ पैदा कर दिया। उन्होंने महिला को यह कहकर डराया कि उनके घर के आसपास टीम तैनात है और बचने के लिए उन्हें हर निर्देश मानना होगा। इसी साइकोलॉजिकल प्रेशर के कारण महिला ने एक हफ्ते तक न तो बेटे को कुछ बताया और न ही पुलिस को सूचना दी।

इस दौरान महिला ने किश्तों में ठगों के बताए खातों में कुल 1 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपए ट्रांसफर किए। उन्होंने 21 अप्रैल को 20 लाख, 22 अप्रैल को 34.20 लाख, 23 अप्रैल को 15.20 लाख और 24 अप्रैल को 35.40 लाख रुपए जमा कराए। महिला इतनी डरी हुई थी कि गिरफ्तारी से बचने के लिए अपनी जमापूंजी ठगों के हवाले करती रही।

तकनीकी जांच से खुला नेटवर्क का राज सिटी कोतवाली और रेंज थाना के प्रभारी सीएसपी गगन कुमार ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस की साइबर टीम ने बैंक खातों, मोबाइल नंबर्स और डिजिटल ट्रांजेक्शन का तकनीकी जांच कर बारीकी से जांच किया।

जांच में पता चला कि ठगी की रकम कई लेयर बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। जिसके बाद बैंकिंग ट्रेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस की टीम राजस्थान भेजा गया, जहां चुरू जिले से दो आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया। पकड़े गए आरोपियों में चुरु जिले के रतननगर थाना क्षेत्र के ग्राम पोती निवासी रूपेन्द्र सिंह पिता संपत सिंह (21) और विशाल सिंह (20) पिता जीवराज सिंह शामिल हैं।

कमीशन के लालच में बने आरोपी पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते उपलब्ध कराए थे और ठगी की रकम निकालकर गैंग के अन्य सदस्यों तक पहुंचाई थी। आरोपियों को इसके बदले कमीशन राशि दी गई थी। आरोपियों के कब्जे से बैंक पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन एवं अन्य दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

अन्य आरोपियों की तलाश करने का दावा साइबर रेंज थाने की टीम इस मामले की जांच कर रही है। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर बिलासपुर लाया गया है। साइबर फ्रॉड नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों, बैंक खातों और डिजिटल ट्रेल की जांच जारी है।

सीएसपी गगन कुमार का दावा है कि इस गैंग के अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। शीघ्र ही उनकी भी गिरफ्तारी की जाएगी।

केयर टेकर ने मालिक के मोबाइल का किया गलत इस्तेमाल, खाते में ट्रांसफर किए 1.67 लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई नगर थाना क्षेत्र में केयर टेकर ने मालिक के फोन का गलत इस्तेमाल कर धोखे से अपने खाते 1.67 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। प्रार्थिया की शिकायत पर थाना भिलाई नगर में तत्काल अपराध दर्ज कर पुलिस टीम द्वारा त्वरित जांच प्रारंभ की और तकनीकी साक्ष्य एवं पूछताछ के आधार पर आरोपी को चिन्हित कर हिरासत में लिया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

8 मई 2026 को प्रार्थिया डॉ. पूर्णिमा राज कछवाहा, निवासी

तालपुरी ए-ब्लॉक भिलाई, थाना भिलाई नगर द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनके यहां केयर टेकर का कार्य करने वाला तिरथ चौधरी उर्फअन्नू द्वारा उनके पति के मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए बिना जानकारी दिए यूपीआई माध्यम से अलग-अलग ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर कुल 1 लाख 67 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कर लिया गया है।

प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना भिलाई नगर में अपराध क्रमांक 242/2026 धारा 316(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा तकनीकी जानकारी एवं बैंक ट्रांजेक्शन विवरण के आधार पर आरोपी को चिन्हित किया गया। आरोपी से पूछताछ करने पर उसके द्वारा रकम ट्रांसफर करना स्वीकार किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई उपरांत न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। उक्त कार्रवाई में थाना भिलाई नगर पुलिस टीम की त्वरित, सतर्क एवं प्रभावी भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अपने मोबाइल फोन, बैंकिंग एप, यूपीआई पिन एवं ओटीपी संबंधी जानकारी किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा न करें। किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन ट्रांजेक्शन अथवा साइबर धोखाधड़ी की सूचना तत्काल पुलिस अथवा साइबर हेल्पलाइन में दें।

मवेशी सामने आने पर बाइक सवार हुआ हादसे का शिकार, महिला की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंडा थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में महिला की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, उतई निवासी रेखा बाई साहू (42) अपने बहनोई के साथ बाइक से गुण्डरदेही से वापस घर लौट रही थीं। इसी दौरान टायर फैक्ट्री डोकीडीह रोड के पास अचानक एक मवेशी सड़क पर आ गया। बाइक चालक संभल पाता उससे पहले ही वाहन मवेशी से टकरा गया और दोनों सड़क पर गिर पड़े।

हादसे में रेखा बाई साहू गंभीर रूप से घायल हो गईं। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद करते हुए 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। घायल महिला को जिला अस्पताल

पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अंडा थाना प्रभारी पारस राम ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। इधर, क्षेत्रवासियों ने सड़कों पर बढ़ते आवारा मवेशियों को लेकर चिंता जताई है। लोगों का कहना है कि मुख्य मार्गों पर मवेशियों की मौजूदगी लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रही है, लेकिन समस्या के समाधान के लिए अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

बीच-बचाव करना पड़ा भारी

खुर्सीपार चाकूबाजी में दूसरे युवक की भी मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में हुई चाकूबाजी की घटना ने अब दोहरे हत्याकांड का रूप ले लिया है। एक युवक को मारपीट से बचाने पहुंचे दो दोस्तों पर आरोपी ने चाकू से हमला कर दिया था। इस हमले में घायल दूसरे युवक की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, 25 अप्रैल की रात करीब साढ़े 9 बजे बालाजी नगर निवासी रजत कुशवाहा अपने दोस्त सुनील कन्हैया को बाइक से घर छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान गांधी विद्यालय के पास दोनों ने देखा कि गोलू सिंह नाम का युवक एक अन्य युवक की बैट से पिटाई कर रहा था।

मानवता के नाते रजत और सुनील ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी इस बात से नाराज हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपी ने पहले दोनों के साथ गाली-गलौज की और फिर चाकू निकालकर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

हमले में रजत कुशवाहा के सीने और पेट में गंभीर चोटें आईं, जबकि सुनील कन्हैया के सीने, पीठ और पेट पर कई वार किए गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से दोनों घायलों को पहले सुपेला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें रामनगर स्थित स्पर्श अस्पताल रेफर कर दिया गया।

इलाज के दौरान पहले रजत कुशवाहा की मौत हो गई थी। वहीं, करीब 13 दिनों तक अस्पताल में जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद शुक्रवार को सुनील कन्हैया ने भी दम तोड़ दिया।

घटना के बाद खुर्सीपार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी गोलू सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

भिलाई में सूदखोर महिला गिरफ्तार, 20 प्रतिशत से 80 प्रतिशत ब्याज लेने के बाद भी नहीं देती दस्तावेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के सुपेला थाना क्षेत्र में पुलिस ने सूदखोर महिला को गिरफ्तार किया है। सूदखोर महिला दस्तावेज व अन्य सामग्री गिरवी रख ब्याज पर रुपए देती थी। 20 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक ब्याज वसूलने व मूलधन लेने के बाद भी लोगों के दस्तावेज नहीं लौटाती थी। इस मामले में पीडित की शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई की और आरोपिया को गिरफ्तार कर लिया। कर्जा अधिनियम एवं बीएनएस की धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई कर सूदखोर महिला को रिमांड पर भेजा गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में रशीदा बानों निवासी फरीद नगर, सुपेला द्वारा थाना सुपेला में रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रार्थिया ने बताया कि आरोपिया मुस्कान उर्फ तब्बसुम शेख निवासी सुपेला द्वारा लोगों को ब्याज में रकम उधार दी जाती थी तथा उनसे 20 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक अत्यधिक ब्याज वसूला जाता था। शिकायत में बताया गया कि मूल रकम वापस मिलने के बाद भी आरोपी द्वारा उधार देने के एवज में रखे गए दस्तावेज एवं कागजात वापस नहीं किए जा रहे थे। दस्तावेज मांगने पर आरोपी द्वारा गाली-गलौच कर झूठे प्रकरण में फंसाने एवं जान से मारने की धमकी दी जाती थी।

आरोपी द्वारा प्रार्थिया के परिचित ललिता हियाल, स्वाधिका रावत एवं अन्य लोगों को भी इसी प्रकार डरा-धमकाकर प्रताड़ित किया जा रहा था। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर सुपेला पुलिस ने धारा 296, 308(2) बीएनएस एवं कर्जा अधिनियम की धारा 04 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी मुस्कान उर्फ तब्बसुम शेख को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से आरोपी को रिमांड पर भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक विजय यादव, उप निरीक्षक धनेश्वर साहू, आरक्षक सूर्यप्रताप सिंह, प्रदीप सिंह एवं मिथलेश साहू की सराहनीय भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सूदखोरी एवं गैरकानूनी वित्तीय लेन-देन से बचें तथा इस प्रकार की गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जेठ ने बहू से किया रेप, तो छोटे भाई ने किया सुसाइड, पीड़िता सदमे में

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। वैवाहिक वेबसाइट के जरिए हुई शादी एक युवती के लिए दर्दनाक साबित हुई। राजस्थान स्थित ससुराल पहुंचने के बाद विवाहिता को जेठ की प्रताड़ना और दुष्कर्म का शिकार होना पड़ा। बाद में घटनाक्रम इतना बढ़ा कि उसके पति ने खुदकुशी कर ली।

पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने आरोपित जेठ के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। महिला थाना पुलिस के अनुसार बिलासपुर की रहने वाली युवती का संपर्क वैवाहिक

वेबसाइट के माध्यम से राजस्थान के एक युवक से हुआ था। दोनों परिवारों की सहमति के बाद एक वर्ष पूर्व उज्जैन में विवाह संपन्न हुआ। शादी के बाद ससुराल पहुंचने पर विवाहिता को पता चला कि उसके जेठ ने अपनी पत्नी को मारपीट कर घर से निकाल दिया था और उसके पति पर भी धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। पीड़िता के अनुसार ससुराल में उसका जेठ शुरुआत से ही उस पर गलत नजर रखता था।

एक दिन मौका पाकर उसने विवाहिता के साथ दुष्कर्म किया। जब उसने पूरी घटना अपने पति को बताई, तो पति ने परिवार और समाज की बदनामी का हवाला देकर उसे चुप रहने के लिए कहा। इसके बाद भी जेठ द्वारा प्रताड़ना और शोषण जारी रहा। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर विवाहिता 25 अप्रैल को ससुराल से निकल गई और मोबाइल बंद कर किसी तरह बिलासपुर पहुंची। इसके बाद 26 अप्रैल को पति ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। मामला तब और गंभीर हो गया जब 28 अप्रैल को जेठ ने विवाहिता के मायके वालों को सूचना दी कि उसके पति ने खुदकुशी कर ली है।

घटना के बाद सदमे और बीमारी की हालत में कुछ दिन रहने के बाद पीड़िता महिला थाने पहुंची और आरोपी जेठ के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर शून्य पर अपराध दर्ज कर मामला संबंधित क्षेत्र में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

चलती कार पर गिरी पेड़ की भारी डाल, बड़ा हादसा टला

खैरागढ़। डोंगरगढ़ मुख्य मार्ग पर शुक्रवार रात एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। अमलीडीह खुर्द के पास चलती कार पर अचानक पेड़ की भारी डाल गिरने से वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हालांकि चालक सुरक्षित बच गया, लेकिन घटना ने सड़क किनारे खतरनाक पेड़ों और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पटवारी दिव्यांश राजपूत अपनी स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक 8100 से डोंगरगढ़ से खैरागढ़ लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे पुराने टायरों से भरे एक ओवरलोड ट्रक ने सड़क किनारे झुकी हुई पेड़ की डाल को जोरदार टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर खैरागढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सड़क से पेड़ की डाल हटाकर यातायात बहाल कराया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार और ट्रक को थाना लाकर जांच शुरू कर दी है।

डिलीवरी करते 45 लाख की चांदी गायब

बिलासपुर। सदर बाजार स्थित प्रतिमा ज्वेलर्स के सराफा कारोबारी का 45 लाख रुपए कीमत का 18 किलो चांदी का पार्सल कुरियर ब्वॉय डिलीवरी के दौरान गुम कर बैठा। रायपुर से वीआईपी कुरियर के जरिए भेजा गया पार्सल बिलासपुर पहुंचा था, जहां दो पार्सल में से केवल 10 किलो चांदी की डिलीवरी दी गई।

कुरियर ब्वॉय ने थाने में बताया कि सत्या सर्विसेस से डॉक्टर लाडीकर हॉस्पिटल के बीच रास्ते में पार्सल गिर गया। कारोबारी ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कर पार्सल की तलाश की मांग की है। पुलिस ने दोनों पक्षों के आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है और गायब चांदी की तलाश की जा रही है।

कवर्धा लोक अदालत में 31 हजार से अधिक प्रकरण निराकृत

- कबीरधाम जिले में 10.77 करोड़ रुपये से अधिक राशि के मामलों का हुआ समाधान
- वैवाहिक विवादों में समझौते से परिवारों का हुआ पुनर्मिलन
- जिले में 11 खण्डपीठों के माध्यम से प्रकरणों का हुआ सफल निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य में 9 मई को तालुका न्यायालय के स्तर से लेकर उच्च न्यायालय तक सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ में आयोजित इस नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायमूर्ति महोदय श्री रमेश सिन्हा, के द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। कबीरधाम में आयोजित इस नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संघरत्ना भतपहरी के द्वारा उक्त नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया।

नेशनल लोक अदालत को यादगार बनाने सेल्फी प्वाइंट तथा स्वास्थ्य शिविर की भव्यता नेशनल लोक अदालत में देखते ही बन रही थी। जिला न्यायालय के प्रवेश द्वार पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था, जिसमे पक्षकार अपनी मनमोहक फेटो तस्वीरों के माध्यम से जीवंत रख रहे थे। इस दौरान न्यायालय परिसर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में आये हुए पक्षकारों द्वारा स्वास्थ्य लाभ भी लिया जा रहा था।

जिले में 11 खण्डपीठ गठित किया गया, जिसमें से 10 जिला मुख्यालय तथा 1 खण्डपीठ व्यवहार न्यायालय पण्डरिया में गठित की गई थी। जिसमें राजीनामा योग्य समस्त दाण्डिक मामले, चेक बाउन्स के प्रकरण, समस्त प्रकार के व्यवहार वाद प्रकरण, मोटर दुर्घटना से उत्पन्न दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय में लंबित वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण, इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन यथा बिजली बिल, दूरभाष, बैंक लोन, जल कर से संबंधित प्रकरण रखे गये थे।

उल्लेखनीय है कि, नेशनल लोक अदालत के खण्डपीठ क्रमांक 01 में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कबीरधाम संघरत्ना भतपहरी द्वारा मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में 28,60,000/- रूपये का अवार्ड राशि पारित किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 02 में परिवार न्यायालय कबीरधाम में पीठासीन अधिकारी श्री प्रवीण कुमार प्रधान, द्वारा परिवार न्यायालय में वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण में कुल 25 प्रकरण का निराकरण करते हुए वैवाहिक संबंधों में मधुरता स्थापित करते हुए सुखद दाम्पत्य का पुर्नस्थापन किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 03 में पीठासीन अधिकारी श्रीमती योगिता विनय वासनिक द्वारा विद्युत प्रकरण में कुल 2,78,997/- रूपये राशि का वसूली करते हुए प्रकरण का निराकरण किया गया। इसी अनुक्रम में राजस्व न्यायालय में कुल 22589 लंबित प्रकरणों का निराकरण करते हुए लाभान्वित हितग्राहियों को कुल 10,38,17,286/- रूपये का निराकरण किया गया। इस प्रकार जिला कबीरधाम अंतर्गत परिवार न्यायालय, कबीरधाम में उक्त लोक अदालत में वैवाहिक प्रकरणों में 25 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 1,35,900/- रूपये का निराकरण, नगर पालिका कबीरधाम द्वारा जलकर तथा अन्य कर से संबंधित मामलों में 184 प्रकरण में 1,20,107/-रूपये की वसूली की गई। इस प्रकार लोक अदालत में कुल 31734 लंबित प्रकरण में कुल 10,77,03,433 /- रूपये का निराकरण किया गया।

शराब के कारण बिखर चुके परिवार का हुआ पुनर्मिलन

परिवार न्यायालय कबीरधाम में शराबी पति के शराब पीकर अपनी पत्नी तथा 02 बच्चों को परेशान किया जाता था तथा आय के सभी राशि को शराब में ही खर्च कर दिया जाता था। जिससे उस पत्नी द्वारा अपने तथा अपने दो बच्चों के भविष्य को देखते हुए पति से अलग रहकर पति से भरण-पोषण प्राप्त करने हेतु मुकदमा परिवार न्यायालय में संस्थित किया गया था। जिससे पीठासीन अधिकारी के द्वारा उभय पक्षों से बातचीत कर कौटुम्बिक विवाद के वैकल्पिक समाधान के सभी माध्यमों से अवगत कराया गया जिससे उक्त दम्पति द्वारा एक साथङ्कसाथ रहकर जीवन यापन करना स्वीकार किया गया। इस प्रकार विभक्त हो चुके परिवार का एकीकरण लोक अदालत के माध्यम से साकार हुआ। वहीं परिवार न्यायालय में एक अन्य मामले में एक नवविवाहित दम्पति जिनका विवाह वर्ष 2025 में संपन्न हुआ था। उनके मध्य मात्र 20-25 दिन बाद से ही उनके बीच विवाद होने से वह दोनों एक-दूसरे से अलग रहने लगे थे और पत्नी द्वारा अपने पति के विरूद्ध परिवार न्यायालय, कबीरधाम में मामला प्रस्तुत किया गया था। परिवार न्यायालय के पीठासीन न्यायाधीश के द्वारा उनके मध्य परामर्श कार्यवाही की गई, जिससे वह दोनो पति-पत्नी द्वारा उनके मध्य उत्पन्न सभी विवादों को भुलाकर पुनः एक साथ रहने हेतु सहमति प्रदान की गई। इस प्रकार दाम्पत्य जीवन में पुनः समझौता के आधार पर खुशहाल जीवन का एकीकरण संपन्न हुआ।

कोंडागांव में आयोजित नेशनल लोक अदालत में 43407 प्रकरणों का हुआ निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

कोंडागांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसका न्यायामूर्ति रमेश सिन्हा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के द्वारा वर्चुवल माध्यम से नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। कोण्डागांव में नेशनल लोक अदालत का खिलावन राम रिगरी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के द्वारा शुभारम्भ किया गया।

जिला न्यायालय कोण्डागांव के न्यायालयों में 03 खण्डपीठ, तालुका विधिक सेवा समिति केशकाल के न्यायालय में 01 खण्डपीठ तथा तालुका विधिक सेवा समिति नारायणपुर के न्यायालय में 02 खण्डपीठ एवं राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु राजस्व न्यायालय कोण्डागांव एवं नारायणपुर में 01-01 खण्डपीठ, कुल-08 खण्डपीठ का गठन कर नेशनल लोक अदालत दिनांक 09 मई 2026 का आयोजन किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत में समस्त न्यायालयों द्वारा राजीनामा योग्य मामलों को आपसी राजीनामा से एवं समरी प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं नगरपालिका, विद्युत विभाग, दूरसंचार विभाग, बीमा कंपनी एवं समस्त बैंकों द्वारा प्रीलिटीगेशन मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से निराकरण किया गया।

कोण्डागांव, केशकाल एवं नारायणपुर न्यायालय में आपराधिक प्रकरण कुल 04 प्रकरण निराकृत हुए, चेक बाउंस के कुल प्रकरण 05 निराकृत हुए जिसमें कुल 7,33,348 रुपए प्राप्त हुए। बैंक रिकवरी के कुल 1237 प्रकरण निराकरण हुए जिसमें कुल राशि रूपये 35,000/- अवार्ड प्राप्त हुआ। ऋण वसूली के कुल प्रकरण 251 निराकृत हुए। मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण 18 निराकृत हुए जिसमें कुल राशि रूपये 2,05,15,000/- प्राप्त हुआ। ट्रॉफिक चालान के कुल प्रकरण 1615 निराकृत्त हुए जिसमें कुल राशि रूपये 1,78,200/- प्राप्त हुआ। राजस्व प्रकरण के कुल प्रकरण 37331 निराकृत हुए। बिजली बिल के कुल प्रकरण 1953 निराकृत हुए जिसमें कुल राशि रूपये 3,13,677/- अवार्ड प्राप्त हुआ।

नगर पालिका कोण्डागांव एवं नारायणपुर के 853 निराकृत हुए जिसमें रूपये 5,87,340/-प्राप्त हुआ। दूरसंचार के 100 प्रकरण एवं पारिवारिक विवाद के 02 प्रकरण निराकृत हुए। मध्यस्थता के 7 प्रकरण निराकृत हुए जिसमें 32,19,641/- प्राप्त हुआ। सिविल के 1 निराकृत प्रकरण में 1,40,000/- प्राप्त हुआ। अन्य 30 निराकृत प्रकरणों से 1000/- प्राप्त हुआ। इस प्रकार समस्त न्यायालयों द्वारा / राजस्व न्यायालय के माध्यम से 43,407 प्रकरण का निराकरण किया गया जिसमें आपराधिक प्रकरण का समन शुल्क एवं सिविल प्रकरण का कुल राशि 2,57,23,206/- रूपये का अवार्ड पारित किया गया।

नेशनल लोक अदालत : बालोद में 69424 प्रकरण निराकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

बालोद। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार बालोद जिले के सभी न्यायालयों में 09 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निराकृत किये गये। पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने के अतिरिक्त मोटयान अधिनियम से संबंधित प्रकरणों को निराकृत किया गया।

इस सिलसिले में न्यायमूर्ति ॅरमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर ने इस संपूर्ण लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु निरंतर प्रयास करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी लगातार अधिक से अधिक मामलों को निराकृत किये जाने हेतु प्रेरित किया। जिला व सत्र न्यायालय बालोद एवं व्यवहार न्यायालय स्तर पर डौण्डीलोहारा, दल्लीराजहरा, गुण्डरदेही में तथा बालोद जिले के राजस्व न्यायालयों में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्याम लाल नवरत्न बालोद के निर्देशानुसार इस लोक अदालत के लिए बालोद जिले में कुल 23 खण्डपीठ का गठन किया गया। इस लोक अदालत में लंबित सिविल एवं वांडिक प्रकरण, प्री-लिटिगेशन बैंक, विद्युत, जलकर, बीएसएनएल के प्रकरण तथा राजस्व न्यायालयों की खंडपीठ के समक्ष कुल 71435 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये थे, जिसमें 69424 प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से किया गया। इस लोक अदालत में कुल 4,93,78,696/- राशि का अवार्ड पारित किया गया है।

मुंगेली नेशनल लोक अदालत में 17 हजार से अधिक प्रकरणों का निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। जिला न्यायालय परिसर में वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने जिला न्यायालय परिसर स्थित लॉयर्स हॉल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त जिला न्यायालयों से जुड़कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

नेशनल लोक अदालत के लिए जिला न्यायालय में 6, तहसील न्यायालय लोरमी में 1 तथा राजस्व न्यायालय में 8 खंडपीठों का गठन किया गया। लोक अदालत में लंबित 2060 तथा प्री-लिटिगेशन के 19 हजार 738 सहित 21 हजार 798 प्रकरण सुनवाई हेतु चिन्हित किए गए थे। लंबित 1794 प्रकरणों का निराकरण कर 42 लाख 81 हजार 324 रुपये का अवार्ड पारित किया गया। वहीं प्री-लिटिगेशन के 15 हजार 538 प्रकरणों का निराकरण कर 07 लाख 44 हजार 656 रुपये का अवार्ड पारित किया गया। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव, कलेक्टर कुन्दन कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित थे।

औरदा गांव में साकार हुए सपनों के आशियाने हितग्राहियों को मिलीं पक्के आवास की चाबियां

- पीएम आवास योजना के लाभार्थियों ने भावुक होकर जताया मुख्यमंत्री का आभार कच्चे घरों की परेशानियों से मिली मुक्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत आज विकासखंड पुसौर के ग्राम औरदा में खुशियों की नई किरण दिखाई दी। जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के पात्र हितग्राहियों को उनके नए पक्के घरों की चाबियां सौंपी गईं और पूरे रीति-रिवाज के साथ गृह प्रवेश कराया गया।

शिविर में ग्राम पंचायत सुकूलभठ्ठली के संतराम, माला प्रधान और रामकुमार चौहान, ग्राम पंचायत जकेला की चंद्रमा गुप्ता तथा औरदा की जयंती साव व अहिल्या पाव को पक्के मकानों की सौगात मिली। वर्षों तक टूटे-फूटे कच्चे मकानों में संघर्ष करने वाले इन परिवारों के चेहरे पर पक्का घर मिलने का संतोष साफ झलक रहा था।

हितग्राही रामकुमार चौहान ने भावुक स्वर में बताया कि अब सुरक्षित है मेरा परिवार। बरसात के दिनों में हमारे कच्चे मकान की छत से पानी टपकता था, जिससे पूरा परिवार रात भर जागकर गुजारता था। पक्का मकान मिलना हमारे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। अब हम सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में रह रहे हैं। एक अन्य हितग्राही कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल ईंट-पत्थर का मकान नहीं, बल्कि उनके बच्चों की बेहतर शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा का आधार है।

उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार 2026 का आयोजन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उस मंशा के अनुरूप किया जा रहा है, जिसमें शासन की योजनाओं का लाभ सीधे और त्वरित रूप से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

औरदा में आयोजित सुशासन शिविर में न केवल आवास की चाबियां बांटी गईं, बल्कि विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का मौके पर निराकरण कर ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया।

औरदा और आसपास की पंचायतों के हितग्राहियों में से 6 परिवारों का गृह प्रवेश के लिए मिली चाबियां। शिविर के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाया गया। पक्के आवास से ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है जो शासन की मंशा है।

लोकअदालत में 7 लाख से अधिक प्रकरण निराकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। नेशनल लोक अदालत के दौरान जिला रायगढ़ एवं जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में लंबित तथा प्री-लिटीगेशन प्रकरणों सहित 7 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। विभिन्न न्यायालयों में आपसी सहमति, समझौते एवं संवाद के माध्यम से प्रकरणों का त्वरित समाधान कर पक्षकारों को राहत प्रदान की गई।

जिला एवं अपर सत्र न्यायालय सारंगढ़-बिलाईगढ़, सिविल जिला रायगढ़ में पदस्थ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आशीष डहरिया की खण्डपीठ क्रमांक-20 में लंबित प्रकरण छत्तीसगढ़ राज्य विरुद्ध मनोज सारथी में एक मानवीय पहल देखने को मिली।

प्रार्थी देवप्रसाद के पुत्र द्वारा न्यायालय में उपस्थित होकर बताया गया कि उनके पिता चलने-फिरने में असमर्थ हैं तथा घर में मोबाइल फोन की सुविधा नहीं होने के कारण वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी उपस्थित नहीं हो सकते। स्थिति को देखते हुए पैरालीगल वॉलेंटियर नारद प्रसाद श्रीवास को प्रार्थी के निवास तक भेजा गया। वहां प्रार्थी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजीनामे के संबंध में सहमति ली गई और न्याय आपके द्वार की भावना के अनुरूप प्रकरण का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

कुटुम्ब न्यायालय रायगढ़ में पदस्थ न्यायाधीश विनोद देवांगन द्वारा भी पारिवारिक मामलों में समझाइश एवं आपसी संवाद के माध्यम से तीन परिवारों को पुन: जोड़ने में सफलता प्राप्त की गई। लोक अदालत के दौरान पारिवारिक विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान को विशेष प्राथमिकता दी गई।

नेशनल लोक अदालत के अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में विभिन्न बैंकों, फाइनेंस कंपनियों, विद्युत विभाग, बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं पक्षकार उपस्थित रहे। सभी संबंधित विभागों के समन्वय से लोक अदालत का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा 7 लाख से अधिक लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया।

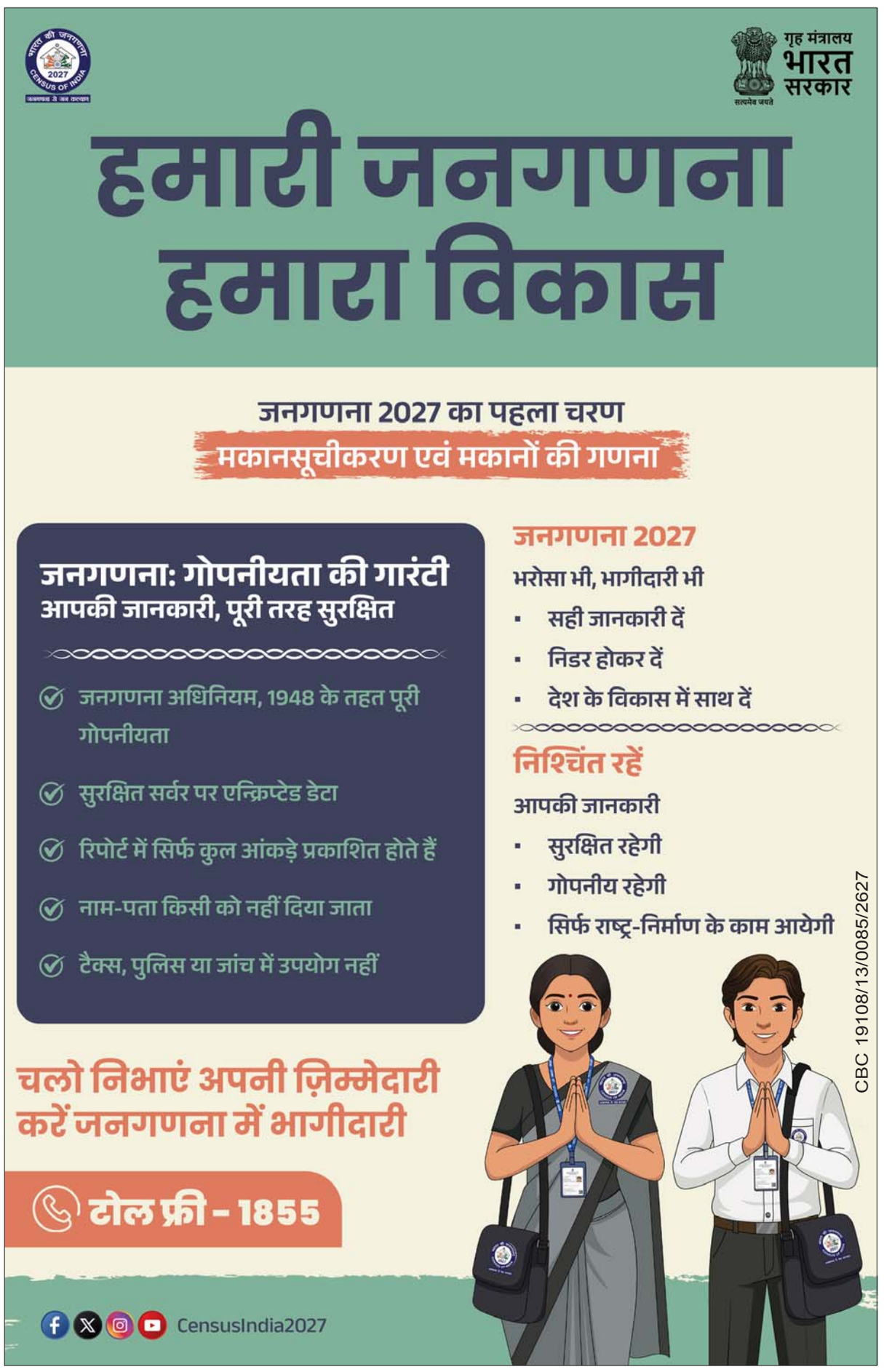

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950